Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 199
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार,17 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 राजर्षि पुस्तकालय कार्यकारिणी की बैठक 17 | 4 एचबीए1सी टैस्ट पर नया अध्ययनः डायबिटीज की | 7 रोहित शेट्टी से जुड़े फायरिंग मामले में मुंबई

यूपीः सीएम योगी बोले

सपा-कांग्रेस 'वंदे मातरम' का विरोध कर रहे

युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ

प्रदेश में बेरोजगारी की दर 2.24 फीसदी तक आ गई

लखनऊ। विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर गाजी मेले के समर्थन का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार प्रदेश के तीर्थों का विकास कर रही है। उन्होंने यूपी की बढ़ती जीडीपी, किसानों को डीबीटी के जरिए भुगतान, ओडीओपी और एमएसएमई के विस्तार का उल्लेख किया और डबल इंजन सरकार को विकास का आधार बताया।

यूपी विधान परिषद में सीएम योगी ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कहा, विपक्ष से किसी तरह की उम्मीद करना बेवकूफी है। पहले की सरकारों ने यूपी को अपराध का गढ़ बना दिया था। कर्फ्यू यहां की पहचान बन गई थी। वंदे मातरम-का 150वां साल चल रहा। मैं पूछता हूं, सपा-कांग्रेस आखिर इसका विरोध क्यों कर रहे? इस देश में रहोगे और यहां के राष्ट्रीय गीत पर खड़े नहीं होगे। यूपीः सदन में बोले सीएम योगी तब कहावत थी 'देख सपाई बिटिया घबराई', हमने इस प्रदेश को उपद्रव से मुक्त किया पहली की सरकारों का विकास परिवारवादी था। जेपीएनआईसी का उदाहरण देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि 800 करोड़ खर्च हो गए वह फिर अधूरा है। हमने जेपी के जन्मभूमि पर अस्पताल बनवाया।1400 करोड़ खर्च हो गए, फिर भी गोमती रिवर फ्रंट का प्रोजक्ट अधूरा है, यह महज 300 करोड़ का प्रोजेक्ट था। युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ सीएम योगी ने कहा, सरकार ने अपने कार्यकाल में अराजकता फैलाई। इसीलिए युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ। किसान सुसाइड के लिए मजबूर हुआ। आज जल, थल, नभ तीनों यूपी के अंदर देखने को मिलता है। यूपी में पहली रैपिड रेल का उद्घाटन 22 फरवरी को होगा। आज यूपी में सुरक्षा का बेहतरीन वातावरण है। मेरठ से दिल्ली सिर्फ 45 मिनट में तय होता है। आज 22 एक्सप्रेसवे वाला राज्य यूपी है। इनमें 7 क्रियाशील हो चुके हैं और 5 निमार्णाधीन हैं। 10 पर हम काम कर रहे हैं। 2017 से पहले राशन वितरण की खूब शिकायतें थीं सीएम योगी ने कहा, 2017 से पहले राशन वितरण की खूब शिकायतें थीं। आज कोई शिकायत नहीं है, क्योंकि टेक्नालॉजी का उपयोग किया गया। 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे। किसी भी सेक्टर में यदि यूपी के युवा को मौका मिला, तो उसने अपनी अलग छाप छोड़ी। डाटा आज की सबसे बड़ी ताकत है। एआई देश का मर्चिंग सेक्टर है। इसके लिए बजट में व्यवस्था की गई है। प्रदेश में बेरोजगारी की दर 2.24 फीसदी तक आ गई सीएम योगी ने कहा, 'सीएम युवा उद्यमी' स्कीम से काम चल रहा है। हर साल एक लाख युवा उद्यमी बन सकें, इसके लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ईवी के पहली यूनिट लखनऊ में स्थापित हुई है। 20 हजार से अधिक स्टार्ट अप यूपी में चल रहे हैं। प्रदेश में बेरोजगारी की दर 2.24 फीसदी तक आ गई है। हर गांव में खेल का मैदान हो, इसके लिए भी प्रयासरत हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल के बाजार में यूपी की धमक है। खरीदे जा रहे वाहनों 19 फीसदी हिस्सा यूपी का है। तिपहिया वाहनों में 40 फीसदी से अधिक यूपी का हिस्सा है।

अहमदाबाद और वडोदरा के 28 स्कूलों को बम की धमकी भरे ईमेल, तलाश अभियान जारी

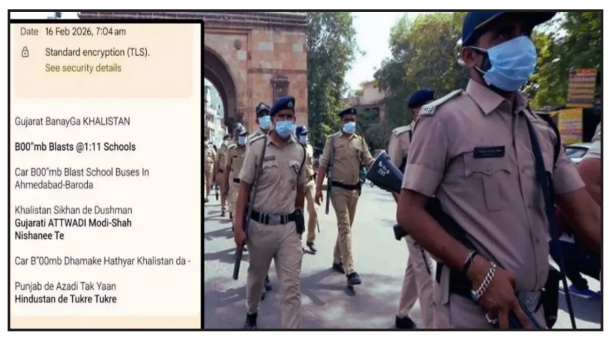

अहमदाबाद। वडोदरा गुजरात के अहमदाबाद और वडोदरा के कम से कम 28 स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद परिसरों को खाली करा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तत्काल तलाश अभियान शुरू किया गया जिसमें अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जिला शिक्षा अधिकारी रोहित चौधरी ने बताया कि अहमदाबाद के 15 से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए हैं। उन्होंने पत्रकारों को बताया, सभी स्कूलों को निर्देश दिया गया कि वे तुरंत नजदीकी पुलिस थानों को सूचित करें और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। वडोदरा के पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कुमार ने बताया कि शहर के विभिन्न इलाकों के 13 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि इन स्कूलों के प्रबंधन ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना दी। इसके बाद स्थानीय पुलिस, विशेष अभियान समूह (एसओजी), अपराध शाखा और बम पहचान एवं निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) के कर्मियों ने क्षेत्र की छानबीन की और छात्रों और शिक्षकों को सुरक्षित बाहर निकाला। कुमार ने कहा, नौ स्कूलों में छानबीन अभियान पूरा हो गया है और शेष स्कूलों में यह प्रक्रिया जारी है। साइबर अपराध पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। ईमेल के स्रोत और भेजने वाले का पता लगाने आदि के लिए विस्तृत जांच की जाएगी।श्श उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया ये ईमेल शरारतपूर्ण प्रतीत हो रहे हैं, लेकिन पुलिस इनकी पूरी गंभीरता से जांच करेगी। वडोदरा के पुलिस उपायुक्त (अपराध) हिमांशु वर्मा ने बताया कि अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है और प्रभावित स्कूलों के छात्रों को घर वापस भेज दिया गया है।

सार संक्षेप

सुबह-सुबह ऋषिकेश में सिलेंडर धमाका, चंदेश्वरनगर दहला

ऋषिकेश। उत्तराखंड में रिषिकेश के चंदेश्वरनगर क्षेत्र के विश्वकर्मा चौक के पास सोमवार सुबह एक मकान में गैस सिलेंडर विस्फोट की घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घर से अचानक तेज आग की लपटें उठने लगीं और कुछ ही देर में जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि मौके पर मौजूद करीब चार सिलेंडरों में विस्फोट हुआ, जिससे आसपास के घरों में भी दहशत फैल गई। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत बचाव की कोशिशें शुरू कीं और स्थिति पर काबू पाने के लिए संबंधित विभागों को सूचना दी गई। शुरूआती जानकारी के अनुसार गैस रिसाव के चलते विस्फोट हुआ, हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि बड़े गैस सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में गैस रिफिलिंग के दौरान यह हादसा हुआ। फिलहाल प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है। घटना ने एक बार फिर अवैध गैस रिफिलिंग और सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोग ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

फौजी ने पहले पत्नी-बेटे को गोलियों से भूना, फिर खुद ट्रेन के आगे लेटकर दी जान

कानपुर। औद्योगिक नगरी कानपुर के सेन पश्चिम पारा इलाके में सोमवार की सुबह एक ऐसी वारदात सामने आई, जिसने रूह कंपा दी। बखरिया गांव में रहने वाले एक रिटायर्ड फौजी ने अपनी ही लाइसेंसी बंदूक से अपनी पत्नी और इकलौते बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी। अपनों का खून बहाने के बाद फौजी ने खुद भी रेलवे ट्रैक पर जाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह करीब 7.30 बजे पुलिस को कथोगर-इमलीपुर रेलवे अंडरपास के पास एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव मिला। मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड और बाइक के कागजों से उसकी पहचान रिटायर्ड फौजी चेतराम पासवान के रूप में हुई। जब पुलिस चेतराम के घर सूचना देने पहुंची, तो वहां का नजारा देखकर अफसरों के होश उड़ गए। कमरे के अंदर चेतराम की पत्नी सुनीता (40) और बेटे दीप (16) के खून से लथपथ शव पड़े थे। पास ही वह डबल बैरल बंदूक भी बरामद हुई, जिससे गोलियां चलाई गई थीं। पुलिस की शुरूआती जांच के मुताबिक, चेतराम ने देर रात या तड़के पहले अपनी पत्नी और बेटे को गोलियों से छलनी किया।

भारत कृत्रिम मेधा से आ रहे बदलाव के क्षेत्र में अग्रणी है: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई) से आ रहे बदलाव के क्षेत्र में अग्रणी है और एआई क्षेत्र में उसकी प्रगति महत्वाकांक्षा एवं दायित्व दोनों को दर्शाती है। मोदी की यह टिप्पणी उस दिन आई है जब वह यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन करने वाले हैं। इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का आयोजन 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ किया जाएगा। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एआई पर चर्चा करने के लिए दुनिया को एक साथ ला रहे हैं! आज से, भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी कर रहा है। मैं इस शिखर सम्मेलन में दुनिया भर के नेताओं, उद्योगपतियों, नवोन्मेषकों, नीति निमार्ताओं, शोधकताओं और प्रौद्योगिकी प्रेमियों का हार्दिक स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन का विषय सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय है, जो मानव-केंद्रित प्रगति के लिए कृत्रिम मेधा का उपयोग करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि आज एआई स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, शासन और उद्यम सहित कई क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। उन्होंने कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट एआई

के विविध पहलुओं जैसे नवाचार, सहयोग, जिम्मेदार उपयोग आदि पर सम्मेलन के परिणाम एक प्रगतिशील, नवोन्मेषी और अवसर-उन्मुख भविष्य को आकार देने में सहायक होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की 1.4 अरब जनता की बदौलत हमारा देश एआई से आए परिवर्तन में अग्रणी स्थान पर है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से लेकर जीवंत स्टार्टअप तंत्र और अत्याधुनिक अनुसंधान तक, एआई में हमारी प्रगति महत्वाकांक्षा और जिम्मेदारी दोनों को दर्शाती है। इससे पहले रविवार को मोदी ने भारत को डिजिटल बुनियादी ढांचे और कृत्रिम मेधा के वैश्विक केंद्र के रूप में पेश किया और कहा कि भारत दुनिया के डेटा को संभालने एवं प्रौद्योगिकी क्रांति की अगली लहर का नेतृत्व करने के लिए तैयार है।

भीषण हादसे में उजड़ गया हसंता-खेलता परिवार

ट्रक और कार की जोरदार टक्कर में बच्चे सहित 3 की मौत, 2 घायल

फरुर्खाबाद। फरुर्खाबाद जिले में इटावा-बरेली राजमार्ग पर ट्रक और कार की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात करीब आठ बजे कादरी गेट थाना क्षेत्र में भाऊपुर खुर्द के पास उस वक्त की है जब फरुर्खाबाद से इटावा की ओर जा रहा ट्रक सामने से आ रही कार से टकरा गया। उसने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह कुछ दूर तक घिसटती चली गई, जबकि ट्रक भी सड़क किनारे पलट गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार और ट्रक में फंसे घायलों को बाहर निकाला। इस हादसे में ट्रक में सवार विराट और कार सवार मोहित की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक अन्य मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। उसने बताया कि घटना में गंभीर रूप से घायल दो लोगों को सैफई के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का सीएम हिमंता के खिलाफ हेट स्पीच मामले में एफआईआर की मांग पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ कथित हेट स्पीच को लेकर एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता के पास वैकल्पिक कानूनी उपाय उपलब्ध हैं और वे संबंधित हाईकोर्ट या सक्षम प्राधिकरण का रुख कर सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि हर चुनावी विवाद सीधे सुप्रीम कोर्ट में लाना एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनती जा रही है। कोर्ट ने टिप्पणी की आप गौहाटी हाईकोर्ट क्यों नहीं गए? उसकी अधिकारिता को कमतर न आंकें। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से इस मामले की सुनवाई में तेजी लाने का अनुरोध भी किया। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि मुख्यमंत्री बार-बार विवादित बयान देते रहे हैं और मामले की गंभीरता को देखते हुए शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए। याचिका में आरोप लगाया गया था कि मुख्यमंत्री के कुछ सार्वजनिक बयानों से समाज में वैमनस्य फैलाने का खतरा पैदा हुआ है, इसलिए उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाए। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि हर आरोप पर सीधे शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाना उचित नहीं है और संवैधानिक व्यवस्था में निचली अदालतों तथा हाईकोर्ट की भूमिका अहम है।

एसआईआर में बड़े पैमाने पर सपा के समर्थकों के हटाए गए नाम

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि इसके लिये जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अखिलेश यादव ने यहां सपा कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठायेगी। सपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी इस संबंध में मंगलवार को निर्वाचन आयोग को एक ज्ञापन भी सौंपेगी, जिसमें यह अपील की जाएगी कि एसआईआर में जो गड़बड़ियां की गयी हैं, उन पर किन नियमों के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाए और यदि कोई व्यक्ति गलत काम करने

का दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद सपा इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि फॉर्म-7 के जरिये नाम हटाने की प्रक्रिया सिर्फ बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) द्वारा शुरू की जानी चाहिए, किसी और माध्यम से नहीं। उन्होंने यह भी मांग की कि विधानसभा चुनाव क्षेत्र, बूथ नंबर और फॉर्म-7 जमा करने वाले व्यक्ति समेत पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि एसआईआर में सपा के समर्थकों के नाम गलत तरीके से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सकलडीहा विधानसभा क्षेत्र में 16 मतदाताओं के नाम हटा दिये गये। विश्लेषण करने पर पता लगेगा कि वे पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) समुदाय के हैं। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बाबागंज विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 365 पर जाली हस्ताक्षर का हवाला देकर लगभग 100 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिये गये। उन्होंने कई मतदाताओं के नाम, उनके बूथ नंबर और उन्हें हटाने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए फॉर्म-7 का विवरण भी पढ़कर सुनाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी कई दिनों से गलत तरीके से हटाए गए नामों के बारे में आंकड़े दे रही है लेकिन उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। उन्होंने नंदलाल नाम के एक व्यक्ति से जुड़े मामले का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि उस शख्स (नंदलाल) ने अंगूठे का निशान लगाया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने फार्म-7 भरने के लिए उससे हस्ताक्षर करवा लिये थे। अखिलेश यादव ने सवाल किया कि क्या इस मामले में जिले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है।

राजस्थान के भिवाड़ी में केमिकल फैक्ट्री में भयंकर आग, 8 मजदूर जिंदा जलेय फैक्टरी में मची चीख-पुकार

भिवाड़ी। राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। शुरूआती जानकारी के मुताबिक एक निजी औद्योगिक इकाई में लगी आग में करीब 8 श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के प्लॉट जी-1-118 बी में सोमवार सुबह अचानक आग भड़क उठी। सुबह 9 बजकर 22 मिनट पर पुलिस कंट्रोल रूम से रीको फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि आग ने कुछ ही मिनटों में भयानक रूप ले लिया और पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि अंदर काम कर रहे श्रमिकों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार आग में झुलसकर करीब छह श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। राहत और बचाव टीम को अंदर से जो शव मिले, वे बुरी तरह जले हुए थे। कुछ शव इतने अधिक झुलस चुके थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। मृतकों की पहचान करने की कोशिश जारी है।

भाजपा एक संगठन आधारित पार्टी है, यह किसी परिवार, जाति या व्यक्तिपरक पार्टी नहीं: पंकज चौधरी

लखनऊः ।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने संगठन की ताकत, सुशासन की प्रतिबद्धता और वर्ष 2027 के लक्ष्य को लेकर पार्टी की स्पष्ट दिशा रेखांकित की। उन्होंने दो टूक कहा कि भाजपा एक विचार और संगठन आधारित राजनीतिक दल है, जो किसी परिवार, जाति या व्यक्तिपरक राजनीति पर नहीं, बल्कि कार्यकताओं की मेहनत और जनता के विश्वास पर खड़ा है। महाराजगंज में एक समाचार चैनल के कार्यक्रम में अपने संबोधन में उन्होंने संगठन और सरकार के तालमेल, अंत्योदय के संकल्प, डबल इंजन सरकार की गति तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य

को भाजपा की मूल कार्यशैली और दृष्टि का केंद्र बताया। पंकज चौधरी ने राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं राष्ट्रीय नेतृत्व को धन्यवाद दूंगा कि जिन्होंने मुझे अवसर दिया है और ऐसे प्रदेश की ज़िम्मेदारी मुझे दी है जो जनसंख्या के आधार पर दुनिया का पांचवा देश है। इसके लिए मैं राष्ट्रीय नेतृत्व को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूँ।' उन्होंने आगे कहा, 'राजनीति का मूल मंत्र है अपने क्षेत्र में लगातार बने रहना, पद पर रहते हुए आमजन का सहयोग करना और विकास सुनिश्चित करना। जहां तक टिकट का सवाल है, भारतीय जनता पार्टी एक संगठनात्मक पार्टी है। यहां किसी एक व्यक्ति का निर्णय नहीं चलता। सभी मामलों की समीक्षा, बैठकों और विचार-विमर्श के बाद ही टिकट वितरण का निर्णय लिया जाता है।' उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो दल परिवारवाद की राजनीति करते हैं, वे सामाजिक न्याय की बात नहीं कर सकते। भाजपा सर्वसमाज की पार्टी है और 'सबका साथ, सबका विकास' केवल नारा नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पूर्व में विपक्षी दल मिलकर चुनाव लड़ चुके हैं और जनता ने उसका परिणाम भी देखा है। जनता को बीजेपी/एनडीए गठबंधन पर ही विश्वास है। प्रदेश में एकरूपता और समन्वय के साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताते हुए श्री चौधरी ने कहा कि उनकी कार्ययोजना में किसी क्षेत्र, जाति या वर्ग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। पूरा प्रदेश उनके लिए समान है और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना ही भाजपा का विजय सूत्र है। सरकार और संगठन के रिश्ते पर बोलते हुए उन्होंने कहा, 'सरकार और संगठन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। संगठन जनता की बात सरकार तक पहुंचाता है और सरकार की योजनाएं संगठन के माध्यम से हर चौखट तक पहुंचती हैं। हमारा तालमेल 'डबल इंजन' की रफ्तार को और तेज करेगा। हमारा एजेंडा सिर्फ विकास है। बजट और विकास के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार का फोकस अंत्योदय अर्थात अंतिम पंक्ति के व्यक्ति पर रहा है। आधारभूत ढांचे के विस्तार, गरीब कल्याण, आर्थिक मजबूती और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य हुआ है।

नगर पालिका प्रांगण में लगा विशेष स्वास्थ्य शिविर, 271कर्मचारियों की हुई जांच

लखीमपुर संवाददाता। नगर पालिका परिषद लखीमपुर के प्रांगण में सफाई मित्रों एवं पालिका कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण को ध्यान में रखते हुए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी ने शिविर को और प्रभावी बनाया। शिविर में कुल 271 कर्मचारियों को निःशुल्क परामर्श दिया गया। शिविर में एसीएमओ डॉ. आर.एम. गुप्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी एवं डिप्टी सीएमओ डॉ. लालजी पासी तथा डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रमोद वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही। स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर जांच एवं उपचार सेवाएं प्रदान की गईं। कुल 271 लोगों की ओपीडी की गई, जिसमें सफाई मित्रों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान 32 टीबी जांच, 46 एक्स-रे, 110 लोगों की ब्लड प्रेशर एवं शुगर जांच और 30 मलेरिया जांच की गई। जांच के उपरांत चिकित्सकों द्वारा आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। इसके अतिरिक्त 11 आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए, जिससे पात्र कर्मचारियों को भविष्य में उपचार संबंधी सुविधाएं मिल सकेंगी। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने कहा कि पालिका के सफाई मित्र शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन वे अक्सर अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं रह पाते। ऐसे में एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की जांच और उपचार सुविधा उपलब्ध कराना अत्यंत उपयोगी पहल है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सहयोग के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता का आभार व्यक्त करते हुए सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे स्वयं और अपने परिवार के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें, क्योंकि स्वस्थ कर्मचारी ही स्वस्थ और स्वच्छ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 14 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल गोरखपुर को प्लेटफार्म संख्या-06 पर लगभग 20 वर्ष का एक मूक बधिर व्यक्ति मिला। उक्त व्यक्ति को उसके परिजन को सुपुर्द किया गया। 14 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल गोरखपुर को गाड़ी संख्या-18201 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 14 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल बस्ती को गाड़ी संख्या-19409 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे बस्ती पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 15 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल बुढ़वल को गाड़ी संख्या-15089 में यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे बुढवल पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर मोबाइल को उसे सुपुर्द किया गया। 14 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल औंड़िहार को गाड़ी संख्या-15111 में महिला यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे औंड़िहार पोस्ट पर जमा किया गया। 15 फरवरी, 2026 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 15 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल देवरिया सदर को गाड़ी संख्या-11123 में यात्री का छूटा एक पर्स मिला, जिसे देवरिया पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर्स को उसे सुपुर्द किया गया। 15 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल रसड़ा को गाड़ी संख्या-19045 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे रसड़ा पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया।

राजर्षि पुस्तकालय कार्यकारिणी की बैठक 17 फरवरी को

बहराइच। राजर्षि पुस्तकालय बहराइच के संयुक्त सचिव अरविन्द कुमार मिश्र ने बताया कि 17 फरवरी 2026 को अपरान्ह 04:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में राजर्षि पुस्तकालय बहराइच के अध्यक्ष/जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में पुस्तकालय कार्यकारिणी की बैठक आहूत की गई है। श्री मिश्र ने सभी सम्बन्धित से ससमय बैठक में प्रतिभाग करने की अपेक्षा की है।

जनपद में धारा 163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू

बहराइच। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन्स का अनुपालन कराते हुए महाशिवरात्रि, रमजान शरीफ, होली, ईद-उल-फित्र (ईद), राम नवमी, महावीर जयंती आदि आगामी त्योहारों/कार्यक्रमों व बोर्ड परीक्षा, पुलिस भर्ती एवं अन्य आयोजित परीक्षाओं को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के मद्देनजर जनपद बहराइच के समस्त सीमा क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं लोक परिशान्ति सहित लोक व्यवस्था व जनसुरक्षा कायम रखने के उद्देश्य से अपर जिला मजिस्टेज्ट अमित कुमार द्वारा भा.ना.सु.संहिता 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है। अपर जिला मजिस्टेज्ट श्री कुमार द्वारा जारी आदेश के समस्त 28 प्रस्तर 13 फरवरी 2026 से 10 अप्रैल 2026 तक जनपद बहराइच के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में निवास करने वाले तथा जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्तियों पर प्रभावी रहेगा। इन आदेशों का अथवा इनके किसी भी अंश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

बच्चों के आधार लिंक्ड बैंक खाते में आयेगी मिशन वात्सल्य योजना की धनराशि

बहराइच। जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय ने बताया कि महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मिशन वात्सल्य योजना के अन्तर्गत इंस्टिट्यूशनल केयर (स्पान्सरशिप योजना) का लाभ प्राप्त करने हेतु भुगतान प्रणाली में परिवर्तन हो गया है। नवीन व्यवस्था के तहत एस.एन.ए. स्पर्श के माध्यम से बच्चों के व्यक्तिगत खाते में योजना अन्तर्गत धनराशि का भुगतान किया जाना है। डीपीओ श्री राय ने मिशन वात्सल्य योजना के अन्तर्गत इंस्टिट्यूशनल केयर (स्पान्सरशिप योजना) का लाभ प्राप्त कर रहे सभी लाभार्थियों से अपेक्षा की है कि बच्चों का व्यक्तिगत आधार लिंक खाते का विवरण तीन दिवस के अन्दर कलेक्ट्रेट भवन स्थित जिला प्राबेशन अधिकारी, बहराइच के कार्यालय के कक्ष संख्या 19 या 28 में उपलब्ध करा दें ताकि निबार्ध रूप से बच्चों के खाते में धनराशि को प्रेषण किया जा सके। उन्होंने बताया कि बच्चों के व्यक्तिगत खाता का विवरण उपलब्ध न होने की दशा में भुगतान किया जाना संभव नहीं होगा।

27 फरवरी को सम्पन्न होगी दिशा की बैठक

बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि 27 फरवरी 2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से विकास भवन सभागार में सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोंड की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आहूत की गई है। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वांछित सूचनाओं के साथ बैठक में ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करेंगे।

जनपद स्तरीय टीबी टास्क फोर्स कम स्टीयरिंग कमेटी की बैठक 17 फरवरी को

बहराइच। मुख्य चिकित्साधिकारी अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में 17 फरवरी 2026 को अपरान्ह 01:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय टीबी टास्क फोर्स कम स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आहूत की गयी है। बैठक में प्रतिभाग करते हुए टीबी मुक्त बनाने में अमूल्य सहयोग प्रदान करने की कृपा करें।

घर में फंदे से लटका मिला युवक का शव

वाल्टरगंज। सोनहा थाना क्षेत्र के मंडप गांव निवासी शिव नरायण (27) का उसके घर पर पंखे के कूंडे के सहारे लटका हुआ मिला। रविवार की सुबह जब वह काफी देर तक कमरे से नहीं निकला तो परिजनों से खिड़की से झांककर देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। शिव नरायण को फंदा से लटका देखकर कोहराम मच गया। इसी बीच पुलिस भी पहुंच गई और शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। परिजनों ने बताया है कि शिव नरायण शनिवार की रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। सुबह काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर आया तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने खिड़की से झांककर देखा तो वह साड़ी के टुकड़े से पंखे के सहारे लटका हुआ था और कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। परिजनों में चीख-पुकार सुनकर पत्नी, बच्चे सहित परिवार के अन्य सदस्य दहाड़े मारकर रोने लगे। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डेढ़ करोड़ खर्च, फिर भी मुकाम हासिल नहीं कर पाई परियोजना

बभनान। कस्बे के लोहिया नगर में निमार्णाधीन अंत्येष्टि स्थल खंडहर हो गया है।10 साल पूरे होने के बाद भी यह अंत्येष्टि स्थल अपने वजूद में नहीं आ सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण शुरू होने पर यह उम्मीद जगी थी कि अब शवों का निस्तारण यहीं किया जाएगा लेकिन अभी तक निर्माण पूरा न होने से सरकारी मंशा पर पानी फिर रहा है। जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत बभनान के वार्ड नंबर तीन लोहिया नगर में वित्तीय वर्ष 2015-16 में दो करोड़ के बजट से अंत्येष्टि स्थल का निर्माण शुरू हुआ। इसे आधुनिक बनाने की योजना थी। इसका जिम्मा तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष के करीबी को दिया गया था। अंत्येष्टि स्थल पर घाटों का निर्माण कराया गया और पिलर खड़े किए गए। इसी बीच स्थानीय लोगों के विरोध पर तालाब की जमीन में अंत्येष्टि स्थल का निर्माण रोक दिया गया। इस दौरान नगर पंचायत ने कार्यदायी संस्था को डेढ़ करोड़ रुपये आहरित कर दिया। विगत 10 वर्ष से निर्माण अधूरा पड़ा है। अब आलम यह है कि अंत्योष्टि स्थल खंडहर में बदल चुका है। इस बावत अधिशासी अधिकारी कीर्ति सिंह ने बताया कि अंत्येष्टि स्थल के निर्माण की योजना पुरानी है। अंत्येष्टि स्थल जमीन विवाद में फंसा है। इसलिए निर्माण पूरा नहीं हो पा रहा है।

अकेली रह रही वृद्धा का घर के बाहर मिला शव, मुंह से निकला था खून

बस्ती। परशुरामपुर थाना क्षेत्र के हरिगांव में रविवार को केवला देवी (72) का शव घर के बाहर पाया गया। उसके पति मालिकराम की मौत पहले हो चुकी है। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है, बेटा नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला के सीने पर चोट के निशान थे और मुंह से खून निकला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद बुजुर्ग महिला के मौत का कारण स्पष्ट हो जाएगा। जानकारी के अनुसार, हरिगांव की केवला देवी घर पर अकेली रहती थी।

एस.एल.आर.के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेल प्रशासन द्वारा आगामी होली त्यौहार पर यात्री जनता की मांग पर 04014/04013 आनन्द विहार टर्मिनस-लौकहा बाजार-आनन्द विहार टर्मिनस वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन आनन्द विहार टर्मिनस से 27 फरवरी से 06 मार्च,2026 तक तथा लौकहा बाजार से 28 फरवरी से 07 मार्च,2026 तक 08 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

04014 आनन्द विहार टर्मिनस-लौकहा बाजार होली विशेष गाड़ी 27 फरवरी से 06 मार्च,2026 तक प्रतिदिन आनन्द विहार टर्मिनस से 15.40 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 16.22 बजे, मुरादाबाद से 19.00 बजे, बरेली से 20.42 बजे, दूसरे दिन लखनऊ से 01.00 बजे, गोण्डा से 04.20 बजे, गोरखपुर से 07.35 बजे, कप्तानगंज से 08.35 बजे, सिसवा बाजार से 09.15 बजे, बगहा से 10.37 बजे, हरिनगर से 11.07 बजे, नरकटियागंज से 11.35 बजे, सिकटा से 11.58 बजे, रक्सौल से 12.33 बजे, बैरगनिया से 13.32 बजे, सीतामढ़ी से 15.10 बजे, शीशो से 16.35 बजे, सकरी से 17.32 बजे तथा झंझारपुर से 18.35 बजे छूटकर लौकहा बाजार 20.15 बजे पहुंचेगी।

04013 लौकहा बाजार-आनन्द विहार टर्मिनस होली विशेष गाड़ी 28 फरवरी से 07 मार्च,2026 तक प्रतिदिन लौकहा बाजार से 21.30 बजे प्रस्थान कर झंझारपुर से 23.05 बजे, सकरी से 23.45 बजे,दूसरे दिन शीशो से 00.40 बजे, सीतामढ़ी से 03.00 बजे, बैरगनिया से 03.30 बजे, रक्सौल से 05.10 बजे, सिकटा से 05.37 बजे, नरकटियागंज से 06.55 बजे, हरिनगर से 07.17 बजे, बगहा से 07.58 बजे, सिसवा बाजार से 10.44 बजे, कप्तानगंज से 11.20 बजे, गोरखपुर से 12.50 बजे, गोण्डा से 15.25 बजे, लखनऊ से 18.00 बजे, बरेली से 22.22 बजे, तीसरे दिन मुरादाबाद से 00.25 बजे तथा गाजियाबाद से 02.50 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनस 03.40 बजे पहुंचेगी।

इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 10, साधारण द्वितीय श्रेणी के 05 तथा एस.एल.आर.के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेल प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व पर यात्री जनता की मांग पर 04514/04513 चण्डीगढ़-गोरखपुर-चण्डीगढ़ होली विशेष गाड़ी का संचलन चण्डीगढ़ से 26 फरवरी एवं 05 मार्च,2026 दिन वृहस्पतिवार को तथा गोरखपुर से 27 फरवरी एवं 06 मार्च,2026 दिन शुक्रवार को 02 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

04514 चण्डीगढ़-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी 26 फरवरी एवं 05 मार्च,2026 दिन वृहस्पतिवार को चण्डीगढ़ से 23.35 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन अम्बाला कैण्ट से 00.25 बजे, सहारनपुर से 02.05 बजे, मुरादाबाद से 05.35 बजे, बरेली से 06.55 बजे, लखनऊ से 11.10 बजे, बाराबंकी से 12.20 बजे, गोण्डा से 14.05 बजे तथा बस्ती से 15.30 बजे छूटकर गोरखपुर 17.35 बजे पहुंचेगी।

वापसी यात्री में 04513 गोरखपुर-चण्डीगढ़ होली विशेष गाड़ी 27 फरवरी एवं 06 मार्च,2026 दिन शुक्रवार को गोरखपुर से 22.05 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 23.04 बजे, दूसरे दिन गोण्डा से 00.40 बजे, लखनऊ से 03.10 बजे, बरेली से 07.02 बजे, मुरादाबाद से 08.50 बजे, सहारनपुर से 12.07 बजे तथा अम्बाला कैण्ट से 13.25 बजे छूटकर चण्डीगढ़ 14.10 बजे पहुंचेगी।

इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02,वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे।

महिलाओं को ड्रोन चलाने का दिया जाएगा प्रशिक्षण

बस्ती। केंद्र सरकार के लखपति दीदी कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए अब महिलाओं को ड्रोन चलाना सिखाया जाएगा। इसके अलावा उन्हें प्लंबिंग और एलईडी बल्ब बनाने जैसे आधुनिक कौशल का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, इसकी रूपरेखा तय की गई है। सरकार ने यह पहल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए की जा रही है। जिले में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी 52,867 महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है।

एमडीएम व कंपोजिट ग्रांट में गड़बड़ी का आरोप, कार्रवाई न होने से शिक्षिका आहत

निघासन खीरी। निघासन विकासखंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय कोला पुरवा में मध्यान्ह भोजन योजना (एमडीएम) और कंपोजिट ग्रांट सहित अन्य मदों में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। विद्यालय की वर्तमान इंचार्ज अध्यापिका नेहा ने पूर्व इंचार्ज अध्यापक पारसनाथ शुक्ला पर गबन, खाद्यान्न हेराफेरी और मानसिक उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं,इंचार्ज अध्यापिका ने 15 अक्तूबर 2025 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि एमडीएम रजिस्टर और बैंक पासबुक के मिलान में ?32,125 की अतिरिक्त धनराशि का अंतर पाया गया, जिसका कोई स्पष्ट कारण नहीं मिला। खाद्यान्न रजिस्टर के मिलान में भी 20.29 कुंतल चावल और 6.98 कुंतल गेहूं का अंतर सामने आया, जिसे चार्ज में प्राप्त नहीं कराया गया। विद्यालय का स्टॉक रजिस्टर भी चार्ज में उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे पूर्व वर्षों में सामग्री क्रय व वितरण की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। शिकायत में वर्ष 2024 में प्राप्त धनराशि के क्रय में भी अंतर का उल्लेख किया गया है।

एमएमई खाते में जहां ?1400 प्राप्त होने चाहिए थे, वहां ?2100 का आहरण दर्शाया गया। विद्यालय की भौतिक स्थिति को देखते हुए कंपोजिट ग्रांट के समुचित उपयोग न होने का भी आरोप लगाया गया है। साथ ही, पूर्व इंचार्ज अध्यापक द्वारा मानसिक उत्पीड़न किए जाने की बात भी कही गई है,मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने 21 अक्तूबर 2025 को नोटिस जारी कर खंड शिक्षा अधिकारी सहित दोनों अध्यापकों को तलब किया। खंड शिक्षा अधिकारी और इंचार्ज अध्यापिका उपस्थित हुईं, जबकि पारसनाथ शुक्ला कार्यालय नहीं पहुंचे। इसके बाद 21 नवंबर और 23 दिसंबर 2025 को अंतिम अवसर देते हुए नोटिस जारी किए गए, लेकिन संबंधित अध्यापक उपस्थित नहीं हुए,खंड शिक्षा अधिकारी निघासन ने 21 अक्तूबर 2025 को बीएसए को भेजी रिपोर्ट में बताया कि पारसनाथ शुक्ला ने वर्ष 2023 से 30 मई 2025 तक विद्यालय का संचालन किया। इस दौरान मासिक लाभार्थियों से अधिक के नाम पर एमडीएम खाते से कन्वर्जन कास्ट का आहरण किया गया। रिपोर्ट में चावल 20.28 कुंतल और गेहूं 6.98 कुंतल का अंतर, बर्तन खरीद में अनियमितता, एमडीएम मद में ?1400 के सापेक्ष ?2100 का आहरण, छात्र प्रवेश पंजिका अपूर्ण होने और विद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप में अभद्र भाषा के प्रयोग का भी उल्लेख है। कार्रवाई न होने से आहत इंचार्ज अध्यापिका ने 16 दिसंबर 2025 को जिलाधिकारी के समक्ष पुनः शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। इसमें बर्तन खरीद के बिलों के सापेक्ष विद्यालय में बर्तन कम मिलने और स्कूल की मरम्मत व पेंटिंग में प्रयुक्त सामग्री के बिल लखीमपुर की फर्मों के लगाए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं।पीड़ित अध्यापिका ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रिटायर्ड फौजी ने खेला खूनी खेल, पत्नी-बेटे की हत्या कर ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

कानपुर। सेनपश्चिम पारा में रिटायर्ड फौजी ने पत्नी और बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद रेलवे ट्रैक पर कटकर जान दे दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कानपुर में सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के तुलसियापुर गांव नई बस्ती में सोमवार सुबह रिटायर्ड फौजी ने पत्नी और बेटे की दोनाली बंदूक से गोली मारकर हत्या करने के बाद रेलवे ट्रैक में कटकर जान दे दी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। तुलसियपुर नई बस्ती निवासी फौजी चेतराम कुमार (52) ने मकान के अंदर पत्नी सुनीता (40) और बेटे दीप (16) को लाइसेंसी दोनाली बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना करने के बाद मेनगेट में बाहर से ताला बंदकर करीब दो किलोमीटर दूर कठोगर गांव के पास भाऊ पुर रेलवे ट्रैक में जाकर ट्रेन से कटकर जान दे दी। घर पहुंचने पर दोहरे हत्याकांड की जानकारी रेलवे ट्रैक पर युवक के शव मिलने की सूचना पर पुलिस शिनाख्त के लिए घर पहुंची। वहां पहुंचने पर घर के अंदर पत्नी और बेटे के शव मिलने से दोहरे हत्याकांड की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस ने फारेंसिक टीम बुलाकर घटनास्थल की जांच पड़ताल कर मौके से साक्ष्य इकठ्ठा किए। पुलिस कर रही है कारणों की जांच पुलिस ने दोनों को शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि पत्नी और बेटे की हत्या करने के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस पारिवारिक और जमीनी विवाद के साथ ही अन्य मामलों की जांच कर रही है। बड़ा भाई बोला- वो हत्या नहीं कर सकते हैं वहीं, मामले में बड़े भाई रामबाबू ने बताया कि भाई हत्या नहीं कर सकता, क्योंकि बेटे के कमर में रस्सी बांधी है। तीनों की हत्या हुई है, क्योंकि अभी एक बीघा खेत बेचकर आए थे। 12 लाख रुपया उनको मिला था। वो फौज में रह चुके हैं, कारगिल युद्ध लड़ चुके हैं। बहुत बहादुर थे, वह हत्या नहीं कर सकते हैं।

वाराणसी में दो नावों की टक्कर के बाद गंगा में समा गई एक नाव

वाराणसी। वाराणसी जिले में गंगा घाट पर बड़ा हादसा होने से बच गया। तुलसी घाट से नाव पर सवार होकर कुछ लोग गंगा उस पार स्नान करने जा रहे थे। इस दौरान बड़ी नाव की टक्कर के बाद छोटी नाव गंगा में समा गई। किसी तरह उसमें सवार लोगों को बचाया गया। वाराणसी जिले में तुलसी घाट के सामने सोमवार की दोपहर दो नावों में अचानक टक्कर हो गई। तेज आवाज के साथ एक नाव गंगा में डूबने लगी।

तेज रफ्तार डाला पलटा, बाइक सवार दंपती-बच्ची घायल

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार टेंपो डाला अनियंत्रित होकर एक बाइक पर पलट गया। इस हादसे में बाइक सवार डीसीएम चालक मोहर्रम अली (45), उनकी पत्नी किस्मतुन्निशा (40) और 10 साल की बेटी सुमायरा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल डाला उठाकर उसके नीचे दबे तीनों घायलों को बाहर निकाला। 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन पहुंचने में देरी होने पर लतीफ नगर के प्रधान प्रतिनिधि तरुण शुक्ला ने अपनी कार से तीनों को कटी बगिया स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया। उनका इलाज जारी है। मोहर्रम अली उन्नाव जिले के हसनगंज थाना क्षेत्र स्थित समदपुर जसमड़ा के रहने वाले हैं, वह अपनी पत्नी किस्मतुन्निशा और बेटी सुमायरा के साथ रायबरेली स्थित रिश्तेदारी से बंथरा के बनी मोहान रोड होते हुए बाइक से वापस घर जा रहे थे। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने डाला चालक प्रमोद साहू को पकड़ लिया। प्रमोद साहू बंथरा के रहीमनगर पड़ियाना का निवासी है। लोगों ने डाला और उसके चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह घटना डाला चालक की लापरवाही के कारण हुई है

हर-हर महादेव से गूंजा शहर, मंदिरों में पहुंचे 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु

फल, खीर और आलू का हुआ वितरण

महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिरों के आसपास, गली-मौहल्लों, शहर की सड़कों पर प्रसाद के स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों से फल, खीर, आलू, चिप्स, बेर, आइसक्रीम, साबूदाने से बनी खिचड़ी एवं शीतल पेय पदार्थों का वितरण किया गया। भक्त भी प्रसाद पाकर बेहद खुश नजर आए और अपने घर भी ले गए। शहर की सड़कों पर निकलने वाले लोगों का रोक-रोककर प्रसाद बांटा गया।

■ ग्वालियर

महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर में बम-बम भोले की धूम रही। शनिवार की आधी रात के बाद से शहर के प्रमुख शिवमंदिरों पर श्रद्धालुओं ने पहुंचना शुरू कर दिया था, यह सिलसिला रविवार की देर रात तक चला। शहर के अचलेश्वर, गुप्तेश्वर, कोटेश्वर सहित शिवमंदिरों पर 5 लाख से ज्यादा भक्तों ने दर्शन किए। इस दौरान मंदिरों के आसपास प्रसाद के स्टॉल लगे रहे, जिन पर भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। वहीं रविवार रात को अचलेश्वर महादेव मंदिर पर बधाई महोत्सव का आयोजन किया गया, यहां पर भगवान शिव के अर्द्धनारीश्वर रूप का भक्तों को दर्शन कराया गया। इसके अलावा, शहर के प्रमुख गुप्तेश्वर, कोटेश्वर, मार्कंडेश्वर, भूतेश्वर, हजारेश्वर और मंगलेश्वर मंदिर सहित अन्य शिवालयों को भी आकर्षक रूप से सजाया गया है। मंदिरों में विशेष सजावट, रोशनी और भव्य श्रृंगार किया गया है।

अचलेश्वर मंदिर पर सुबह लाइन शुरू हुई, रात तक नहीं टूटी : शहर के प्रसिद्ध अचलेश्वर महादेव मंदिर पर देर रात के भक्तों का तांता शुरू हो गया था। मंदिर के तीनों द्वार खुले हुए हैं और हर द्वार पर भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। श्रद्धालु रात लगभग 12 बजे से ही दर्शन के इंतजार में खड़े थे, जिन्होंने सुबह 4 बजे से भगवान अचलनाथ के दर्शन करना शुरू किया। महाशिवरात्रि पर रविवार को सुबह से रात तक भक्तों की लाइन नहीं टूटी, इस दौरान दो लाख से ज्यादा भक्तों के दर्शन का दावा किया गया है।

भक्तों ने लगवाया चंदन

भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने के लिए अल सुबह से ही भक्तों का शिवालय पहुंचना शुरू हो गया था। भक्तों ने मंदिर पहुंचते ही वहां बैठे लोगों से अपने-अपने ललाट पर चंदन लगवाया। चंदन लगवाने में युवक और अधिक शामिल हुए। इस दौरान खूब सेल्फी भी ली गई। भक्तों ने ठण्डाई आदि का भी खूब आनंद लिया और डीजे पर नृत्य भी किया।

कोटेश्वर मंदिर भक्तों की भीड़, मंत्री पैदल पहुंचे : कोटेश्वर महादेव मंदिर पर भी देर रात से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। रविवार की देर रात तक यहां भक्तों की भीड़ रही। इस दौरान प्रदेश ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर अपने निवास न्यू कॉलोनी नंबर-2 विरला नगर से कोटेश्वर मंदिर तक पदयात्रा के लिए निकले हैं। वह करीब दो से तीन किलोमीटर पैदल चलकर कोटेश्वर मंदिर पहुंचे। ऊर्जा मंत्री पाताली हनुमान , हजीरा, किलागेट घासमंडी होते हुए कोटेश्वर मंदिर में दर्शन करने पहुंचे और कतार में लगकर भगवान के दर्शन किए।

गुप्तेश्वर महादेव से निकली शिव बारात, हर-हर महादेव की गूंज : गुप्तेश्वर मंदिर से सुबह 11 बजे गुप्तेश्वर महादेव सेवा संघ द्वारा चल समारोह निकाला गया। इसे शिव बारात का रूप दिया गया था। चल समारोह सुबह लगभग 11.30 बजे शुरू हो गया था। शिव बारात में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ थी। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने बारात का स्वागत किया।

चल समारोह गुप्तेश्वर मंदिर से प्रारंभ हुआ है जो जनकगंज, सराफा बाजार, फालका बाजार स्थित राम मंदिर, ऊंट पुल और इंदरगंज मार्ग से होता हुआ अचलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगा। पूरे मार्ग में धार्मिक वातावरण बनाए रखने के लिए भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़े और शंख ध्वनि की विशेष व्यवस्था की गई थी।

'सच्चे भाव से प्रसन्न होते है भोलेनाथ'

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय के माधवगंज स्थित प्रभु उपहार भवन एवं पुराना हाईकोर्ट लाइन स्थित संगम भवन केंद्र पर विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दोनों ही केन्द्रों सहित ग्वालियर के सभी केंद्रों पर विधिवत शिव ध्वजारोहण भी संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसएएफ द्वितीय वाहिनी के कमांडेंट एवं पुलिस उप महानिरीक्षक राकेश सगर, ब्रह्माकुमारीज केंद्र प्रमुख बीके आदर्श दीदी, यज्ञाचार्य पं. डॉ. विकास त्रिपाठी, प्रतीक ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर, मनोज चौरसिया, बीके डॉ. गुरचरण सिंह, बीके प्रहलाद भाई उपस्थित रहे। बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। मुख्य अतिथि राकेश सगर ने कहा कि आज के भागदौड़ भरे जीवन में मनुष्य तनाव, क्रोध और अशांति से घिरा रहता है। ऐसे समय में महाशिवरात्रि का संदेश आत्मशांति, संयम और सकारात्मक जीवन जीने की दिशा प्रदान करता है।

भाऊ महाराज समाधि पर उत्सव मना

भाऊ महाराज समाधि मन्दिर में महाशिवरात्रि उत्सव आयोजित किया गया। निम्बाजी की खोह में नैसर्गिक पहाड़ी पर बने सद्गुरु भाऊ महाराज समाधि मंदिर पर तीन दिवसीय शिवरात्रि उत्सव मनाया गया। रविवार को संस्थान के पुरोहित प्रकाश पाटनकर ने महाशिवरात्रि पाद्य पूजन, विशेष श्रृंगार, रुद्रभिषेक किया। महेश दलवि, शशिकांत आपटे, मोहन अकोलकर, संजीव चौरसिया , संदीप अग्निहोत्री ,निशिकांत सुरंगे द्वारा आरती की गई। इस अवसर पर संतोष मुरुमकर के द्वारा भजनों की प्रस्तुति के साथ उत्सव का समापन हुआ।

सनातन धर्म : शिवजी का अभिषेक किया

महाशिवरात्रि पर्व पर महादेव का हुआ श्रृंगार, लगा ढाई क्विंटल भोग श्री सनातन धर्म मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा भाव से मनाया गया। महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई। इस अवसर पर भगवान भोलेनाथ, चक्रधर एवं गिराज धरण का विशेष श्रृंगार हुआ। भक्त श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का पूजन, अर्चन,रुद्राभिषेक किया। दो क्विंटल दूध की फलाहारी खीर एवं लगभग 50 किलो फलाहारी प्रसाद का वितरण हुआ। इस अवसर पर दंदरौआ महाराज ने भगवान चक्रधर के दर्शन कर पूजन किया, इसके पूर्व सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान महादेव का रुद्राभिषेक किया।

पर्वतेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आदित्य वाहिनी ग्वालियर एवं पंडित आशुतोष शर्मा के तत्वावधान में फूलबाग स्थित प्राचीन पर्वतेश्वर महादेव मंदिर में विधिवत रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। आयोजन में आदित्य वाहिनी ग्वालियर प्रमुख एड. आलेख शर्मा, सह-प्रमुख डॉ. वैभव शुक्ला, डॉ. ज्योति कुशवाह, छत्रपाल गुर्जर, अंकित पाल, जलज शर्मा, देवांश राजपूत, प्रांजल, साक्षी सहित अनेक कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

दौलतगंज में शिव अभिषेक

हकीम देवी प्रसाद रामप्यारी न्यास स्थित कायस्थ छात्रावास परिसर के भगवान चित्रगुप्त सर्वदेव मंदिर, दौलतगंज में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान शिव का विधिवत अभिषेक एवं पूजन किया गया। पूजन में आकाश श्रीवास्तव, सुरेंद्र खरे, संजीव कुलश्रेष्ठ, वर्षा श्रीवास्तव, तनय श्रीवास्तव, मायरा श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दूध-दही, पुष्प और बेलपत्र की हुई बिक्री

भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए भक्तों ने महशिवरात्रि के दिन भगवान को दूध, दही, पुष्प और बेलपत्र अर्पित किए। इस दौरान इन वस्तुओं की जमकर बिक्री हुई। वहीं दूध डेयरी संचालकों ने अभिषेक के लिए छोटे-छोटे दूध के पैकेटों की भी व्यवस्था की थी।

गायत्री शक्तिपीठ के 57 वें स्थापना दिवस पर नौ कुंडीय महायज्ञ हुआ

■ ग्वालियर

गायत्री शक्तिपीठ गायत्री नगर तानसेन रोड का 57 वां स्थापना दिवस गायत्री शक्ति पीठ पर दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में धूमधाम से मनाया गया। दूसरे दिन 15 फरवरी को प्रातः 7 से 8 बजे तक गायत्री माता का विशेष पूजन किया गया उत्तरी परिजन एवं अन्य भक्त जनों ने गायत्री शक्तिपीठ पर स्थापित शिवलिंग पर अभिषेक किया गया। अभिषेक के उपरांत 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ, इन समस्त कार्यक्रमों में लगभग 200 गायत्री परिजन एवं अन्य भक्तजन उपस्थित थे।

गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी बीके गुप्ता ने बताया कि 15 फरवरी 1969 शिवरात्रि के दिन पूज्य गुरुदेव आचार्य श्रीराम शर्मा द्वारा गायत्री शक्तिपीठ की स्थापना की गई एवं प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। संयोग से आज भी महाशिवरात्रि का पर्व है। शिव अभिषेक कार्यक्रम प्रवीण गुप्ता, केपी शर्मा एवं रामस्वरूप अग्रवाल द्वारा संपन्न कराया गया। यज्ञ का संचालन शिवजी एवं श्रीमती भारती अग्रवाल द्वारा किया गया महाशिवरात्रि के दिन यज्ञ में विशेष रूप से महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां एवं शिव पार्वती के लिए विशेष आहुतियां दी गई साथी पर्यावरण संरक्षण के लिए भी आहुतियां दी गई। पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रसाद वितरण में फलाहार की व्यवस्था रखी गई थी जिसकी व्यवस्था गायत्री शक्ति पीठ की व्यवस्थापक कमलेश गुप्ता द्वारा संभाली गई।

श्रद्धा जीवन को अनन्त प्रेरणा और अमित शक्ति देती है : अवध बिहारी

■ ग्वालियर

श्री सनातन धर्म मंदिर में दंदरौआ से आए कथा व्यास अवध बिहारी दास ने पंचम दिवस में भगवान बाल कृष्ण की बाल लीलाओं, गोवर्धन लीला, कलिया नाग मर्दन लीला का प्रसंग सुनाते हुए कहा साधु-संत का अर्थ सरल, सभ्य, सज्जन, भक्त, परोपकारी है। फिर वह चाहे गृहस्थ हो या विरक्त हो । सन्यासी हो या बैरागी । ब्राह्मण हो या शूद्र। वह प्रभु को प्रिय है। भक्त सभी का प्रिय होता है। प्रभु जिसका आदर करते हैं उसका निरादर कोई नहीं कर सकता है। प्रभु जिसका निरादर करते हैं फिर उसका आदर कोई नहीं करता है। भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत की पूजा कराई। आज तक गोवर्धन गिरिराज सबके द्वारा पूज्य हैं। नित्य ही पूज्य हैं। इन्द्र की पूजा बन्द हो गई तो आज तक बंद ही है। भगवान ने इन्द्र के अहंकार का नाश करके उनके ऊपर असीम कृपा की। प्रभु का स्वभाव है कि वे जीवों के विशेषकर अपने भक्तों के अहंकार को नष्ट कर देते हैं यह इसलिए कि अहंकार के रहने पर भक्ति नहीं रह सकती हैं। श्रद्धा जीवन को अनन्त प्रेरणा और अमित शक्ति देती है। श्रद्धा व्यक्ति से असम्भव भी सम्भव करवा लेती है। श्रद्धा जीवन की सच्ची पूंजी है। पूज्यश्री दंदरौआ महाराज आज कथा श्रवण हेतु पधारे। उन्होंने आशीर्वचन देते हुए कहा निष्कपट व्यक्ति पर भगवान शीघ्र कृपा करते हैं। कथा से पूर्व मुख्य यजमान रविन्द्र मिश्रा, वंदना मिश्रा एवं उनके परिवार ने भागवत जी का पूजन, आरती की ।

राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए सासाराम निकला एनएसएस दल

ग्वालियर। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल (मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़) के तत्वावधान में 16 से 22 फरवरी तक सासाराम, बिहार में होने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय के एनएसएस दल ने चंबल एक्सप्रेस से प्रस्थान किया। यह दल एनएसएस समन्वयक डॉ. हरिशंकर कंसाना के मार्गदर्शन में दल प्रभारी डॉ. अर्चना शर्मा के नेतृत्व में गया। डॉ. अर्चना शर्मा विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरार में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी हैं। उनके साथ स्वयंसेवकों में निकिता, शुभा, मीनाक्षी, फिजा, हेमलता, दुष्यंत, अंकित, शिवम, बलवीर एवं कृष्णनम शामिल हैं दल प्रभारी डॉ. अर्चना शर्मा ने बताया कि यह यात्रा एनएसएस के मूल्यों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी।

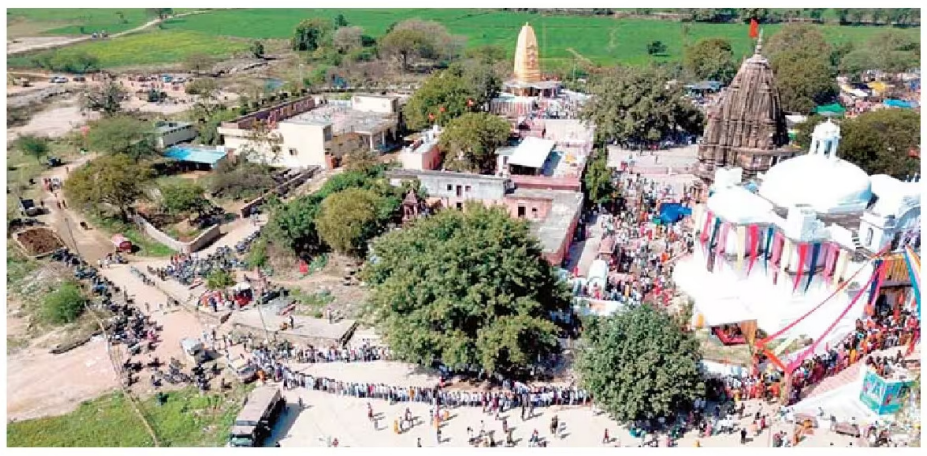

गोलेश्वर और धूमेश्वर महादेव मंदिर पर श्रद्धालुओं का मेला

भितरवार। महाशिवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। तड़के से ही मंदिरों के बाहर भक्तों की लंबी कतारें लगने लगी। जय भोलेनाथ और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। श्रद्धा का आलम यह था कि सूर्योदय से पहले ही शिव भक्त मंदिर पहुंच गए। भितरवार के प्रमुख मंदिरों में सुबह तीन बजे ही पट खोल दिए गए थे। इसके बाद श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। गोलेश्वर महादेव और धूमेश्वर शिव मंदिर में विशेष रौनक देखने को मिली, यहां हजारों भक्तों ने लाइनों में लगकर बाबा के दर्शन किए। इसके अलावा करहिया गोलेश्वर शिव मंदिर भक्तों ने शिवलिंग पर गंगाजल, दूध और शहद से जलाभिषेक किया। बाबा भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए बेलपत्र, फल और फूल अर्पित किए गए। दोपहर बाद तक मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस बल तैनात रहा, ताकि भारी भीड़ के बीच यातायात और दर्शन सुचारू रूप से चलते रहें।

जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची श्रद्धांजलि: अग्रवाल

■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल की पूज्य माताजी स्वर्गीय उषा भानुप्रकाश अग्रवाल के तृतीय पुण्यस्मरण दिवस के अवसर पर शहर में विविध सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिवार व आत्मीयजन शहर के विभिन्न अनाथाश्रमों, वृद्धाश्रमों, अस्पतालों एवं अन्य सेवा स्थलों पर पहुंचे, वहां भोजन प्रसादी एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया तथा जरूरतमंदों के बीच समय व्यतीत कर उनकी कुशलक्षेम जानी गई। जिला अस्पताल, मुरार में प्रसादी वितरण किया गया। इसके पश्चात स्वर्ग सदन में प्रभुजनों को भोजन कराया गया एवं वहां की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पोर्टेबल माइक एवं स्पीकर सिस्टम भेंट किया गया। नारायण वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को मिष्ठान एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई। मर्सी होम, डोंगरपुर एवं आत्मज्योति अंधाश्रम, कालपी ब्रिज मुरार में आवश्यक सामान एवं चॉकलेट इत्यादि का वितरण किया गया। पौधरोपण एवं फलों का वितरण किया गया, जिससे सेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। श्री अग्रवाल ने कहा कि उनकी पूज्य माताजी का संपूर्ण जीवन सादगी, करुणा, त्याग और निःस्वार्थ सेवा का प्रेरणास्पद उदाहरण रहा। उन्होंने सदैव यह शिक्षा दी कि सच्चा धर्म कर्म में है और वास्तविक पुण्य दूसरों के जीवन में सुख, सम्मान और सहारा देने में निहित है।

विधायक सतीश सिकरवार ने बैठक ली

अंबेडकर जयंती और विधायक प्रीमियर लीग क्रिकेट की तैयारियां शुरू

■ ग्वालियर

जन उत्थान न्यास द्वारा 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती धूमधाम से मनाने एवं विधायक प्रीमियर क्रिकेट लीग 2026 की तैयारियों को लेकर न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार की अध्यक्षता में मुख्य आयोजन समिति की बैठक हुई। जीवाईएमसी के कक्ष में आयोजित बैठक में श्री सिकरवार ने कहा कि बाबा साहब की जयंती पर 14 अप्रैल को अम्बेडकर पार्क फूलबाग में प्रातः 9 बजे से प्रसादी का वितरण किया जाएगा। जयंती की पूर्व संध्या पर 13 अप्रैल को

ग्वालियर पूर्व विधानसभा में 16 स्थानों पर स्थापित प्रतिमा स्थल पर सम्मान, समता भोज का आयोजन किया जाएगा।

विधायक डॉ. सिकरवार ने विधायक प्रीमीयर क्रिकेट लीग 2026 को लेकर कहा कि आयोजन को पिछले वर्षों से और अच्छा करना है। पूर्व विधानसभा क्षेत्र के युवा वर्ग ज्यादा से ज्यादा इस आयोजन में जुड़ें और लक्ष्य से अधिक वार्डों से टीमें आये, जिसके लिये सभी कार्यकर्ताओं को मेहनत करना होगी। बैठक में न्यास के उपाध्यक्ष विनोद जैन, संयोजक राकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अवध सिंह धाकरे, सचिव अवधेश कौरव, सह सचिव के.पी. सिंह भदौरिया, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश तोमर, रेखा जाटव, अनूप शिवहरे, संदीप यादव, पार्षद केदार बरहादिया, सुरेन्द्र साहू, अंकित कठठ्ल, प्रमोद खरे, सह सचिव नरेन्द्र राजावत, प्रचार सचिव सुरेश प्रजापति, न्यासी महेश कुशवाह, सुधीर मण्डेलिया, राहुल गुर्जर, लवकेश चौधरी, संजय धाकड (पापड़ी), न्यासी आदित्य सिंह सिकरवार मौजूद रहे।

आज कार्य से विरत रहेंगे अभिभाषक

ग्वालियर। शिवपुरी जिले के करैरा में अभिभाषक संजय सक्सेना की गोली मारकर हत्या करने पर एक बार फिर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग उठ खड़ी हुई है। इस सिलसिले में राज्य अधिवक्ता परिषद एवं बार एसोसिएशन ने सोमवार को सभी न्यायालयों में काम से विरत रहने का निर्णय लिया है। अभिभाषकों की मांग है कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग लंबे समय से चली आ रही है लेकिन आए दिन अभिभाषकों के साथ घटनाएं हो रही है फिर भी इसे लागू नहीं किया जा रहा। उन्होंने मृतक अभिभाषक संजय सक्सेना के परिजनों को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि देने की भी मांग की है।

कैट महिला विंग का आयोजन : दादी-नानी के व्यंजन एक ही छत के नीचे मिले

■ ग्वालियर

कैट महिला विंग ने अनूठा आयोजन किया, इसमें देश के सभी सभी राज्यों के व्यंजन एक छत के नीचे दादी-नानी की रसोई से अनूठे व्यंजनों के मेले में लोग पहुंचे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चांदनी चौक नई दिल्ली के सांसद प्रवीण खंडेलवाल, अध्यक्षता जिलाधीश रुचिका सिंह चौहान ने की। इसके साथ ही महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, संत कृपाल सिंह महाराज, पूर्व आईएएस शैलबाला मार्टिन, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय आयुक्त सत्यवर्धन गौतम, स्वदेशी जागरण मंच के सीईओ साकेत सिंह राठौर विशिष्ठ अतिथि के रूप में रहे उपस्थित।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट महिला विंग द्वारा जीवाजी क्लब में एक नया नवाचार प्रस्तुत किया गया। दादी-नानी की रसाई से व्यंजनों का मेला लगाया गया। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के स्टॉल लगाये गये और उनका आनंद शहरवासियों ने लिया। 100 साल से अधिक पुराने महाराष्ट्रियन व्यंजन, लेह लद्धाख के पेय पदार्थ, 60 साल से पुरानी हिन्दी कढ़ी आकर्षण का केन्द्र रही। मेले का शुभारंभ कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडलेवाल ने किया। उन्होंने इस अभिनव प्रयोग को एक से 4 मई तक भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारतीय व्यापार महोत्सव में शामिल करने का आश्वासन दिया।

संपादकीय

बांग्लादेश में राजनैतिक बदलाव

भारत से पड़ोसी देश बांग्लादेश में एक बड़ा राजनैतिक बदलाव आया है। देश आखिरकार एक स्थिर सरकार हासिल करने की तरफ बढ़ा है। 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरा दी गई थी, और उन्हें भारत में राजनैतिक शरण लेकर अपनी प्राणरक्षा करनी पड़ी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चली और इस दौरान न केवल अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए अविचारित हिंसा की गई, बल्कि भारत के खिलाफ तल्खी बढ़ाने वाले कई बयान अहम पदों पर बैठे नेताओं ने दिए। बांग्लादेश ने उस पाकिस्तान के साथ नजदीकी बढ़ाई है, जिसके अत्याचारों के कारण उसे इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान से अलग करवाया था। बहरहाल, युनूस सरकार पर लगातार चुनाव करवाने का दबाव बना, आखिरकार 12 फरवरी 2026 को बांग्लादेश में आम चुनाव हुए थे। इस चुनाव में अवामी लीग को हिस्सा लेने नहीं दिया गया। शेख हसीना ने इन चुनावों को रद्द करने की मांग की है, लेकिन अब यह तय है कि तारिक रहमान देश की कमान संभालने जा रहे हैं। पिछले 35 सालों में शेख हसीना और खालिदा जिया ही बांग्लादेश का नेतृत्व करती रहीं, लेकिन अब बेगमों का राज बांग्लादेश में इतिहास बन गया है और दिवंगत खालिदा जिया के बेटे देश संभालने जा रहे हैं। 17 फरवरी को तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे और इसमें उन्होंने सार्क देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है। जिसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें शामिल होंगे, क्योंकि जाहिर है सार्क में पाकिस्तान भी है और शाहबाज शरीफ संभवतरू बांग्लादेश पहुंचेंगे ही। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को तारिक रहमान से फोन पर बात की और सोशल मीडिया पर बधाई भी दी। तारिक रहमान ने भी भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने की इच्छा जताई है। लेकिन क्या मात्र इच्छा जताने से दोनों देशों के बीच उलझे हुए तार सुलझेंगे, ये देखना होगा। तारिक रहमान ने अमेरिका फर्स्ट के नारे की तरह श्बांग्लादेश फर्स्टश् का नारा दिया है। जो राष्ट्रवाद के नए फैशन की तरह बन चुका है। बेशक हर राजनेता, हर राष्ट्रप्रमुख अपने ही देश को सर्वोपरि रखता है, लेकिन उसे फलाना फर्स्ट या ढिकाना फर्स्ट के नारे के तहत व्याख्यायित करना जुबानी प्रचार से ज्यादा कुछ नहीं है। तारिक रहमान ने कहा है कि भारत, चीन और पाकिस्तान से बराबर दूरी रखना चाहते हैं। उन्होंने पहले कहा था, श्न दिल्ली, न पिंडी, बांग्लादेश सबसे पहले।श् अब जीत के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में तारिक रहमान ने कहा कि उनकी सरकार की विदेश नीति बांग्लादेश और उसके लोगों के हितों पर आधारित होगी। कोई देश-केंद्रित नीति नहीं होगी। उन्होंने कहा, श्चीन विकास के मामले में दोस्त है, लेकिन अगर कुछ बांग्लादेश के हित में नहीं होगा तो हम उसे नहीं मानेंगे। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को देखेंगे कि क्या यह हमारी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है।श् वहीं शेख हसीना के प्रत्यर्पण के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। अवामी लीग समर्थकों पर केस और परेशानी के बारे में कहा कि कानून का राज चलेगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से एकता की अपील की और कहा कि राष्ट्र निर्माण में सबकी जरूरत है। चुनाव के बाद कोई बदला या हिंसा नहीं होगी। उन्होंने अपनी पार्टी बीएनपी के कार्यकताओं से शांति बनाए रखने को कहा और विजय जुलूस नहीं निकालने का निर्देश दिया। बता दें कि बीएनपी ने 300 में से करीब 209 सीटें जीतीं। वहीं जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें जीतीं हैं, जो भारत के लिए चिंता का सबब है। तारिक रहमान ने तो भारत के साथ अच्छे संबंधों को रखने की इच्छा जताई है, लेकिन शेख हसीना का प्रत्यर्पण और जमात के प्रभाव में उठती भारत-विरोधी आवाजों को शांत करने के मुद्दे पर वे क्या करते हैं, उसी के आधार पर पता चलेगा कि आगे जाकर भारत और बांग्लादेश के संबंध कैसे रहेंगे। जमात-ए-इस्लामी और उसके 11 सहयोगियों ने जिन सीटों पर जीत हासिल की है, उनमें से एक बड़ा हिस्सा पश्चिम बंगाल और असम की सीमा से लगे बांग्लादेशी जिलों में स्थित हैं। जमात की चुनावी ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने पश्चिम बंगाल के छह जिलों जलपाईगुड़ी, मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना से लगी सीमा के साथ-साथ असम के सिलचर से लगे क्षेत्रों में अपना प्रभुत्व फिर से स्थापित कर लिया है। सुरक्षा जानकारों का मानना है कि यह स्थिति भारत के सीमा सुरक्षा बल और खुफिया एजेंसियों के लिए चुनौती बन सकती है। सीमा के वे हिस्से जहां कंटीले तार नहीं लगे हैं, वे लंबे समय से मानव तस्करी और तस्करी के लिए उपयोग किए जाते रहे हैं। इस फैसले के बाद भारत को हाई अलर्ट पर रखा गया है। ढाका के राजनीतिक विश्लेषकों का आकलन है कि सरहदी क्षेत्रों में जमात की जीत की एक बड़ी वजह ये है कि उन क्षेत्रों में बंटवारे के बाद भारत से आने वाले मुसलमान हैं। उनके वंशज जमात को वोट कर रहे हैं और उनकी आबादी में तेजी से इजाफा हुआ है। भारत में जल्द ही असम और प.बंगाल में चुनाव हैं, जहां सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने की कोशिश भाजपा कर रही है। पड़ोसी जिलों में जमात की मौजूदगी इस ध्रुवीकरण को न केवल बढ़ाएगी, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए खतरा भी पैदा करेगी। अब नरेन्द्र मोदी पर निर्भर करता है कि वे भाजपा का चुनावी हित पहले रखते हैं या देश की आंतरिक सुरक्षा उनकी प्राथमिकता रहेगी।

यूपी में 2027 की लिखी जा रही पठकथा

37 सीटें और विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में 108 विधायकों का जनाधार लेकर चल रही समाज वादी पार्टी उत्तर प्रदेश में बहुत तेजी से भाजपा का विकल्प बनने के लिए आतूर दिख रही है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) 2022 विधानसभा चुनावों के बाद से लगातार अपना जनाधार बढ़ा रही है, जिसमें पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक फॉमूर्ले ने प्रमुख भूमिका निभाई है। पार्टी ने पारंपरिक यादव-मुस्लिम समीकरण से आगे बढ़कर गैर-यादव पिछड़ी जातियों और दलितों को जोड़ा है, जिससे भाजपा के सामने एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। पीडीए यानि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं को एकजुट करने की रणनीति ने पार्टी को मजबूती दी है। पार्टी ने कुर्मी, राजभर, शाक्य और मौर्य जैसी पिछड़ी जातियों के नेताओं को जोड़कर अपनी पैठ बढ़ाई है। अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी जमीनी स्तर पर, विशेषकर युवा और ग्रामीण मतदाताओं के बीच सक्रियता बढ़ा रही है।

प्रेम शर्मा

केन्द्र में सत्तासीन भाजपा जहॉ एक ओर एसआईआर,यूजीसी और अब एपस्टीप फाइल और पूर्व सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित आत्मकथा के मुद्दें में उलझी है वही दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में विपक्षी दल तेजी से अपना दायरा बढ़ा रहा है। बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा को बड़ा झटका देते हुए 37 सीटे और विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में 108 विधायकों का जनाधार लेकर चल रही समाज वादी पार्टी उत्तर प्रदेश में बहुत तेजी से भाजपा का विकल्प बनने के लिए आतूर दिख रही है। उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) 2022 विधानसभा चुनावों के बाद से लगातार अपना जनाधार बढ़ा रही है, जिसमें पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक फॉमूर्ले ने प्रमुख भूमिका निभाई है। पार्टी ने पारंपरिक यादव-मुस्लिम समीकरण से आगे बढ़कर गैर-यादव पिछड़ी जातियों और दलितों को जोड़ा है, जिससे भाजपा के सामने एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। पीडीए यानि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं को एकजुट करने की रणनीति ने पार्टी को मजबूती दी है। पार्टी ने कुर्मी, राजभर, शाक्य और मौर्य जैसी पिछड़ी जातियों के नेताओं को जोड़कर अपनी पैठ बढ़ाई है। अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी जमीनी स्तर पर, विशेषकर युवा और ग्रामीण मतदाताओं के बीच सक्रियता बढ़ा रही है। लोकसभा में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव जिस तरह से आमजनमानस के मुद्दे उठा रहे है उसका सीधा प्रभाव वर्तमान युवा वोटरों पर दिखने लगा है। लेकिन इसका सीटों के इजाफे में कितना फायदा होगा यह समय बतायेगा। राजनैतिज्ञ विशेषज्ञ उत्तर प्रदेश में एम और वाई फैक्टर के पूर्व अनुमानों के आधार पर यही कह रहे है कि उत्तर प्रदेश में 2027 भी सीएम योगी के नाम रहेगा। वैसे तो 2022 विधानसभा चुनाव और 2024 लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन ने पार्टी के मनोबल को बढ़ाया है। बसपा सरकार में कई विभागों के कैबिनेट मंत्री रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी रविवार को अपने समर्थकों समेत सपा में शामिल होना उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूल बाबू ने भी सपा का दामन थाम लिया। यूपी की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व कद्दावर

नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी के समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल होने पर इसका सीधा असर जिले की राजनीतिक समीकरणों पर पड़ने की प्रबल संभावना है। बांदा जो ऐतिहासिक रूप से एक महत्वपूर्ण राजनीतिक केंद्र रहा है। इस नए गठजोड़ से चुनावी परिदृश्य में बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं। नसीमुद्दीन सिद्दीकी जो कभी बसपा सुप्रीमो मायावती के दाहिने हाथ माने जाते थे, का राजनीतिक अनुभव काफी लंबा और प्रभावशाली रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि आजम खान जैसे प्रमुख मुस्लिम चेहरे की अनुपस्थिति में सपा को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड के मुसलमानों के बीच मजबूत जमीनी नेता की जरूरत थी। नसीमुद्दीन का इन क्षेत्रों में अच्छा प्रभाव है और वे कुशल रणनीतिकार माने जाते हैं। सपा में उन्हें पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक एजेंडे को मजबूत करने, संगठन विस्तार और 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका मिल सकती है। आगामी चुनाव 5 वर्ष के कार्यकाल पूरा होने के बाद 2027 की फरवरी- मार्च 2027 में होने की उम्मीद है. यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर लगभग सभी पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी हैं। यूपी में जिस पार्टी की सरकार बनती है, उसका राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव व्यापक रूप से देखा जाता है. इसका कारण जनसंख्या, लोकसभा सीटों की संख्या और राजनीतिक नेतृत्व की राष्ट्रीय भूमिका से जुड़ा है. इसलिए सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दल पहले से ही तैयारी में जुटे हैं। 2027 के चुनाव में कई दल कड़ी टक्कर में रहेंगे जिनमें भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस, राष्ट्रीय लोक दल, क्षेत्रीय दल और स्थानीय गठबंधन भी मुकाबले को प्रभावित कर सकते हैं। बहरहाल आगामी चुनाव में गठबंधन एक बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है। विपक्षी दल रणनीतिक सीट बंटवारे और संयुक्त अभियान की योजनाओं पर पहले से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक बार फिर उत्तर प्रदेश में चुनावी मुद्दों में रोजगार और आर्थिक विकास, कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा प्रमुख, किसानों की स्थिति और कृषि नीतियां, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं, बिजली, सड़क और बुनियादी ढांचा, सामाजिक समीकरण और क्षेत्रीय विकास की प्रमुख रहने की संभावना है। फिलहाल उत्तर प्रदेश में भाजपा के भीतर मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के बीच बढ़ती कथित दूरी को लेकर सियासी हलचल तेज है। बजट सत्र के संदेश के बाद चचाओं ने जोर पकड़ा है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यदि समन्वय कमजोर पड़ा, तो 2027 विधानसभा चुनाव में इसका कुछ हद तक असर दिख सकता है। भाजपा की कार्यशैली में संगठन सर्वोपरि माना जाता है। सरकार संगठन की नीतियों का क्रियान्वयन करती है। परंतु जब दोनों के बीच सामंजस्य की कमी का आभास होता है, तो संदेश कार्यकताओं तक नकारात्मक रूप में पहुँच सकता है। प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के बीच तालमेल केवल व्यक्तिगत संबंधों का विषय नहीं, बल्कि लाखों कार्यकताओं के मनोबल से भी जुड़ा होता है। वैसे भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियां पहले ही भाजपा में कथित अंतर्विरोधों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही हैं। यदि यह धारणा बनी रहती है कि शीर्ष नेतृत्व में मतभेद हैं, तो विपक्ष इसे 2027 में चुनावी हथियार बना सकता है। भाजपा के आंतरिक सूत्रों की माने तो विपक्ष की यह रणनीति 2024 लोकसभा चुनाव में मिले सबक से मिली है, जहां जातीय गठजोड़ों ने कुछ सीटों पर असर डाला था, लेकिन योगी सरकार की सख्ती और विकास योजनाओं ने हिंदू वोट बैंक को मजबूत रखा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस के राहुल गांधी के बीच हाल की मुलाकातों से गठबंधन की संभावना बनी हुई है, अगर ऐसा हुआ तो निश्चित तौर पर ओबीसी की पार्टी की भूमिका भी इस चुनाव में सामने आएगी। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि, यूपी की राजनीति जातीय समीकरणों पर टिकी है और बिना इन्हें तोड़े विपक्ष की जीत मुश्किल है। ऐसी स्थिति में बीएस की भूमिका को नकारा नही जा सकता। वैसे भी प्रदेश की 200 सीटों पर बसपा वोटरों की संख्या सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाता है। जबकि भाजपा का वोटर 100 और सपा 70 पर ही महत्वपूर्ण भागीदारी दर्ज कराता है। अब तक लबोलुआब यह कि 2027 चुनाव से पहले यह घमासान विपक्ष की एकजुटता और भाजपा की रणनीति को परखेगा। लेकिन फिलहाल, योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व भाजपा को मजबूत स्थिति में रखता है।

बंगाल में दुर्गा आंगन, बाबरी मस्जिद और घुसपैठिए की राजनीति

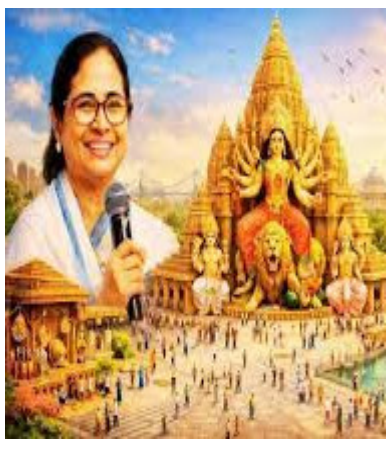

आर.एस.एस. के सौ साल पूरा होने के अवसर पर राज्य भर में होने वाले ड्डषहदू सम्मेलन को भाजपा हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने के विशेष अवसर और चुनाव अभियान की तरह इस्तेमाल कर रही है। दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंदुत्व के मोर्चे को भाजपा के लिए खुला नहीं छोड़ा है। पिछले दिसम्बर में कोलकाता के न्यू टाऊन में विशाल दुर्गा आंगन का शिलान्यास करके उन्होंने हिंदू मतदाताओं को भाजपा के खेमे में खिसकने से रोकने की जो बड़ी पहल शुरू की थी, उसे बंगाली अस्मिता से जोडने के अभियान पर लगातार आगे बढ़ा रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करके ममता के सामने एक नई चुनौती जरूर खड़ी कर दी है और भाजपा इसे भी भुनाने की कोशिश में जुट गई है। बंगाल की राजनीति में इस समय कई सवाल गूंज रहे हैं। क्या हिंदू सम्मेलन और हुमायूं कबीर के बहाने भाजपा राज्य के 70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं को ममता के खिलाफ खड़ा कर पाएगी? क्या हुमायूं कबीर और अन्य मुस्लिम पाष्टयां मुस्लिम मतदाताओं को बांटने में सफल हो पाएंगी? या फिर अल्पसंख्यकों की रक्षा और दुर्गा आंगन की मशाल लेकर ममता एक बार फिर से जीत का झंडा फहराने में सफल होंगी? ममता इस समय कई मोर्चों पर जूझ रही हैं। एस.आई.आर. यानी विशेष मतदाता सूची सर्वेक्षण में मुसलमानों और अत्यंत गरीब लोगों का नाम कटने के मुद्दे पर उनके कार्यकर्त्ता बूथ स्तर पर लड़ रहे हैं और वह खुद सुप्रीम कोर्ट तक हाजिरी लगा चुकी हैं। बिहार, जहां एस.आई.आर. की शुरूआत हुई या फिर अन्य राज्य, जहां यह प्रक्रिया अभी चल रही है, वहां बंगाल जैसी जुझारू लड़ाई दिखाई नहीं दे रही। भाजपा का अभियान चार मुद्दों पर केंद्रित है। बंगाल में हिंदू खतरे में है, भाजपा का मुख्य अभियान इसी नारे पर केंद्रित है। बंगाली हिंदुओं को बताया जा रहा है कि मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है। बंगलादेश की सीमा से लगे कुछ जिलों, जहां मुस्लिम आबादी 50 फीसदी या ज्यादा है, का उदाहरण देकर बताया जा रहा है कि बंगाली हिंदू जल्दी ही राज्य में अल्पसंख्यक हो जाएंगे। बंगलादेश से अवैध घुसपैठ का शोर मचाकर हिंदुओं की चिंता बढ़ाने की कोशिश हो रही है। आर.जी. कार मैडीकल कालेज में एक डॉक्टर से बलात्कार का उदाहरण देकर बताया जा रहा है कि बंगाल में महिलाएं असुरक्षित हैं। चौथा मुद्दा भ्रष्टाचार का है। शिक्षक भर्ती घोटाला जैसे मामले इसके उदाहरण के रूप में पेश किए जा रहे हैं। ममता सी.बी.आई. और ई.डी. जैसी केंद्र सरकार की एजेंसियों से सीधे टक्कर ले रही हैं। चुनाव में हिंदू-मुस्लिम मुद्दा बन जाए तो भाजपा फायदे में रह सकती है। लेकिन ममता आसानी से ऐसा होने देने के मूड में नहीं हैं। लेकिन उनके सामने मुस्लिम वोटों का बंटवारा एक बड़ी चुनौती है। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने की पहल से मुस्लिम मतदाताओं के बीच हुमायूं कबीर की लोकप्रियता बढ़ी है। वैसे हुमायूं मुसलमानों के कोई प्रतिष्ठित नेता नहीं रहे हैं। पिछला विधानसभा चुनाव उन्होंने तृणमूल के टिकट पर जीता था। 2019 में वह भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ कर तीसरे नंबर पर रहे थे। टी.एम.सी. से निकाले जाने के बाद उन्होंने अलग जनता उन्नयन पार्टी (जे.यू.पी.) बना ली है और 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं। एक अन्य मुस्लिम नेता नौशाद सिद्दीकी अपनी पार्टी इंडियन सैक्युलर फ्रंट (आई.एस.एफ.) को वाम दलों से समझौता करके चुनाव मैदान में उतारने की कोशिश में हैं। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ए.आई.एम.आई.एम. इस बार सौ से ज्यादा सीटों पर दाव खेलने की तैयारी में है। इसके अलावा भी 5-6 मुस्लिम नेता छोटी-छोटी पाष्टयां बनाकर चुनाव मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। राज्य में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या करीब 30 प्रतिशत है। पिछले चुनावों में ममता को मुस्लिम मतदाताओं का एकतरफा समर्थन मिला था। इसके बूते पर ही उनके पास आज 223 सीटें हैं। भाजपा की 65 सीटों पर जीत भी एक बड़ी बात थी क्योंकि बंगाल में भाजपा कभी भी मजबूत पार्टी नहीं थी। 2021 में सी.पी.एम. और कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल पाया था। भाजपा को 2014 के लोकसभा चुनाव में 2, 2019 में 18 और 2024 में 12 सीटें मिली थीं। 2021 के विधानसभा चुनाव में टी.एम.सी. को करीब 48 प्रतिशत और भाजपा को 38 प्रतिशत वोट मिला था।

आर.एस.एस. के सौ साल पूरा होने के अवसर पर राज्य भर में होने वाले ड्डषहदू सम्मेलन को भाजपा हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने के विशेष अवसर और चुनाव अभियान की तरह इस्तेमाल कर रही है। दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंदुत्व के मोर्चे को भाजपा के लिए खुला नहीं छोड़ा है। पिछले दिसम्बर में कोलकाता के न्यू टाऊन में विशाल दुर्गा आंगन का शिलान्यास करके उन्होंने हिंदू मतदाताओं को भाजपा के खेमे में खिसकने से रोकने की जो बड़ी पहल शुरू की थी, उसे बंगाली अस्मिता से जोडने के अभियान पर लगातार आगे बढ़ा रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करके ममता के सामने एक नई चुनौती जरूर खड़ी कर दी है और भाजपा इसे भी भुनाने की कोशिश में जुट गई है। बंगाल की राजनीति में इस समय कई सवाल गूंज रहे हैं। क्या हिंदू सम्मेलन और हुमायूं कबीर के बहाने भाजपा राज्य के 70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं को ममता के खिलाफ खड़ा कर पाएगी? क्या हुमायूं कबीर और अन्य मुस्लिम पाष्टयां मुस्लिम मतदाताओं को बांटने में सफल हो पाएंगी? या फिर अल्पसंख्यकों की रक्षा और दुर्गा आंगन की मशाल लेकर ममता एक बार फिर से जीत का झंडा फहराने में सफल होंगी? ममता इस समय कई मोर्चों पर जूझ रही हैं। एस.आई.आर. यानी विशेष मतदाता सूची सर्वेक्षण में मुसलमानों और अत्यंत गरीब लोगों का नाम कटने के मुद्दे पर उनके कार्यकर्त्ता बूथ स्तर पर लड़ रहे हैं और वह खुद सुप्रीम कोर्ट तक हाजिरी लगा चुकी हैं।

संसदः गरिमा सिर्फ कपड़ों में ही नहीं, व्यवहार में भी दिखनी चाहिए

आज, भारत की संसद की बहसें देखने वाले कई दर्शकों के लिए, वह गर्व अक्सर निराशा के साथ मिला होता है। वे स्क्रीन पर जो देखते हैं, वह प्रभावशाली होता है, फिर भी परेशान करने वाला। यह नजारा देखने लायक है। सदस्य साफ-सुथरे कपड़े पहनकर सदन में आते हैं। महिलाएं हाथ से बुनी हुई सुंदर साडियों में आती हैं, जो ध्यान से मैच की हुई और शानदार लगती हैं। पुरुष साफ कुर्ता-पायजामा, सिलवाए हुए बंद गले या शार्प वैस्टर्न सूट में आते हैं। शॉल अच्छे से ओढ़ी जाती है, जूते पॉलिश किए जाते हैं, एक्सैसरीज सोच-समझकर चुनी जाती हैं। कपड़े भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और व्यक्तिगत अनुशासन को दिखाते हैं। यह सुंदर, सम्मानजनक और आंखों को अच्छा लगने वाला होता है। लेकिन तारीफ अक्सर यहीं खत्म हो जाती है। एक बार कार्रवाई शुरू होने के बाद, अंतर चौंकाने वाला हो सकता है। शांत बहस की बजाय, दर्शक अक्सर चिल्लाना, नारे लगाना, रुकावटें और स्थगन देखते हैं। आवाजें उठती हैं। व्यवस्था कमजोर होती है। चर्चाएं रुक जाती हैं। दिखने में शान-शौकत, व्यवहार में गरिमा से मेल नहीं खाती। आम करदाता के लिए, जो आखिर में संस्था को फंड देता है, प्रैजैंटेशन और परफॉर्मैंस के बीच यह अंतर अजीब सवाल खड़े करता है। यह याद रखना चाहिए कि सदन के अंदर सब कुछ जनता के पैसे से चलता है। सैलरी, अलाऊंस, ट्रैवल फैसिलिटी, रहने की जगह और एडमिनिस्ट्रेटिव सपोर्ट बहुत ज्यादा खर्च हैं। एक सैशन चलाने में हर दिन करोड़ों रुपए खर्च होते हैं। लाइटिंग, स्टाफिंग, सिक्योरिटी, ब्रॉडकॉस्टिंग, इन सबका खर्च नागरिक उठाते हैं, जो शायद खुद घर के खर्चों को पूरा करने के लिए ध्यान से बजट बना रहे हों।

देवी एम. चेरियन

एक समय था जब देश की सबसे बड़ी कानून बनाने वाली संस्था की कार्रवाई देखकर लोगों को गर्व होता था। आज, भारत की संसद की बहसें देखने वाले कई दर्शकों के लिए, वह गर्व अक्सर निराशा के साथ मिला होता है। वे स्क्रीन पर जो देखते हैं, वह प्रभावशाली होता है, फिर भी परेशान करने वाला। यह नजारा देखने लायक है। सदस्य साफ-सुथरे कपड़े पहनकर सदन में आते हैं। महिलाएं हाथ से बुनी हुई सुंदर साडियों में आती हैं, जो ध्यान से मैच की हुई और शानदार लगती हैं। पुरुष साफ कुर्ता-पायजामा, सिलवाए हुए बंद गले या शार्प वैस्टर्न सूट में आते हैं। शॉल अच्छे से ओढ़ी जाती है, जूते पॉलिश किए जाते हैं, एक्सैसरीज सोच-समझकर चुनी जाती हैं। कपड़े भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और व्यक्तिगत अनुशासन को दिखाते हैं। यह सुंदर, सम्मानजनक और आंखों को अच्छा लगने वाला होता है। लेकिन तारीफ अक्सर यहीं खत्म हो जाती है। एक बार कार्रवाई शुरू होने के बाद, अंतर चौंकाने वाला हो सकता है। शांत बहस की बजाय, दर्शक अक्सर चिल्लाना, नारे लगाना, रुकावटें और स्थगन देखते हैं। आवाजें उठती हैं। व्यवस्था कमजोर होती है। चर्चाएं रुक जाती हैं। दिखने में शान-शौकत, व्यवहार में गरिमा से मेल नहीं खाती। आम करदाता के लिए, जो आखिर में संस्था को फंड देता है, प्रैजैंटेशन और परफॉर्मैंस के बीच यह अंतर अजीब सवाल खड़े करता है। यह याद रखना चाहिए कि सदन के अंदर सब कुछ जनता के पैसे से चलता है। सैलरी, अलाऊंस, ट्रैवल फैसिलिटी, रहने की जगह और एडमिनिस्ट्रेटिव सपोर्ट बहुत ज्यादा खर्च हैं। एक सैशन चलाने में हर दिन करोड़ों रुपए खर्च होते हैं। लाइटिंग, स्टाफिंग, सिक्योरिटी, ब्रॉडकॉस्टिंग, इन सबका खर्च नागरिक उठाते हैं, जो शायद खुद घर के खर्चों को पूरा करने के लिए ध्यान से बजट बना रहे हों। जब रुकावटों से कार्रवाई रुकती है, तो नुकसान सिर्फ प्रोसैस से जुड़ा नहीं होता, यह वित्तीय और भावनात्मक भी होता है। नागरिकों को लगता है कि उनका योगदान बर्बाद हो रहा है। उनके पास विरोध या बहस के लिए अपना काम का दिन रोकने की लग्जरी नहीं है। वे उन लोगों से गंभीरता की उम्मीद करते हैं जिन्हें उन्हें रिप्रैजैंट करने के लिए चुना गया है। कपड़ों में, बेशक, सिंबॉलिज्म होता है। साड़ी ट्रैडिशन दिखाती है। कुर्ता सिम्प्लिसिटी दिखाता

है। एक टेलर्ड सूट प्रोफैशनलिज्म दिखाता है। साथ में, ये देश की जिम्मेदारी से सेवा करने की तैयारी दिखाते हैं। फिर भी, बिना किसी चीज के सिंबॉलिज्म खोखला लगता है। आज की जनता ऑब्जर्व करती है और इन्फॉर्म्ड है। लाइव ब्रॉडकास्ट और डिजिटल मीडिया के जरिए, नागरिक घटनाओं को सीधे होते हुए देखते हैं। वे अपनी राय बनाते हैं। वे देखते हैं कि रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डालने वाले जरूरी विषय, रोजगार, कीमतें, सुरक्षा, शिक्षा, पर कम ध्यान दिया जाता है क्योंकि अव्यवस्था के कारण समय बर्बाद हो गया है। शायद जो बात आम आदमी को और भी ज्यादा कन्फ्यूज करती है, वह है सदन के अंदर और बाहर के व्यवहार का फर्क। सदन की दीवारों के बाहर, संसद सदस्य अक्सर पार्टी लाइन से हटकर गर्मजोशी से बातचीत करते हैं। वे एक-दूसरे को नमस्ते करते हैं, चाय पीते हैं, साथ में इवैंट में जाते हैं और पुराने साथियों की तरह बातचीत करते हैं। माहौल अच्छा, यहां तक कि दोस्ताना भी लगता है। फिर भी सदन के अंदर, माहौल तेजी से बदल जाता है। वही लोग एक-दूसरे का जोरदार सामना करते हैं, तीखी बातें करते हैं और राजनीतिक भाषण देते हैं। आम नागरिकों के लिए, और खासकर जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्त्ताओं के लिए, जो सालों से विचारधाराओं का बचाव करने और समर्थन जुटाने में लगे हैं, यह फर्क बहुत कन्फ्यूज करने वाला हो सकता है। स्थानीय स्तर पर कार्यकर्त्ता अक्सर गरमागरम कैंपेन में शामिल होते हैं, भावनात्मक ऊर्जा लगाते हैं और कभी-कभी राजनीतिक दुश्मनी के कारण सामाजिक बंटवारे का सामना करते हैं। जब वे बाहर भाईचारा और अंदर टकराव देखते हैं, तो उन्हें दोनों की असलियत समझने में मुश्किल होती है। इससे अनिश्चितता पैदा होती है और कभी-कभी राजनीतिक जुड़ाव की ईमानदारी में भरोसा कमजोर होता है। यह कन्फ्यूजन घर पर कार्रवाई देखने वाले परिवारों तक भी फैलता है। अनुशासन और बातचीत के मूल्यों को सिखाने की कोशिश कर रहे माता-पिता खुद को यह समझाते हुए पाते हैं कि राष्ट्रीय नेता कभी-कभी उन सीखों के उलट व्यवहार क्यों करते हैं। नागरिक जिम्मेदारी सीख रहे युवा दर्शकों को स्क्रीन पर जो कुछ भी दिखता है, उसके साथ संस्थाओं के सम्मान को समझने में मुश्किल हो सकती है। मुद्दा असहमति का नहीं है, लोकतंत्र अलग-अलग राय पर पनपता है। बहस जरूरी है। विरोध हैल्दी है लेकिन असहमति ढांचागत और रचनात्मक रहनी चाहिए। जब बात अव्यवस्थित हो जाती है, तो लोकतंत्र मजबूत होने की बजाय कमजोर लगता है। लोगों में निराशा संस्थाओं के प्रति दुश्मनी से नहीं, बल्कि प्यार और उम्मीद से बढ़ती है।

मुख्य सचिव ने आवंटित भूमि की प्रगति की समीक्षा की

लखनऊः मुख्य सचिव एस.पी.गोयल ने विभिन्न औद्योगिक विकास प्राधिकरणों एवं आवास विकास परिषद द्वारा अर्जित, विकसित तथा आवंटित भूमि की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रदेश में औद्योगिक निवेश को गति देने तथा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सशक्त बनाने हेतु भूमि उपलब्धता की स्थिति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उद्योगों एवं मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए लैंड बैंक को सुदृढ़ एवं विस्तारित करना अत्यंत आवश्यक है। सभी प्राधिकरण आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के बढ़ते रुझान को देखते हुए समयबद्ध भूमि अधिग्रहण, विकास एवं आवंटन की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं–सड़क, विद्युत, जलापूर्ति एवं लॉजिस्टिक्स–की उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्य सचिव ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में भूमि आवंटन हेतु 78 हजार एकड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि अगले वित्तीय वर्ष तक औद्योगिक मांग के अनुरूप कितनी अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी, इसका आकलन कर लक्ष्य तय किया जाए।

एचबीए1सी टैस्ट पर नया अध्ययनः डायबिटीज की चुनौतियां

डायबिटीज, जिसे आधुनिक युग की महामारी कहा जा रहा है, भारत में करोड़ों लोगों को अपनी चपेट में ले चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत दुनिया का डायबिटीज कैपिटल है, जहां 10 करोड़ से अधिक लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। डायबिटीज के निदान और नियंत्रण के लिए एचबीए1सी (ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन) टैस्ट को सोने का मानक माना जाता रहा है। यह टैस्ट पिछले 2-3 महीनों के औसत ब्लड शूगर लैवल को मापता है, जो आसान, गैर-आक्रामक और विश्वसनीय लगता है। लेकिन फरवरी, 2026 में द लैंसेट रीजनल हैल्थ - साऊथ-ईस्ट एशिया जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन ने इस धारणा को चुनौती दे दी है। यह अध्ययन, जो विशेष रूप से भारतीय और दक्षिण एशियाई आबादी पर केंद्रित है, चेतावनी देता है कि एनीमिया, हीमोग्लोबिन विकृतियों और अन्य कारकों के कारण एचबीए1सी टैस्ट गलत निदान कर सकता है, जिससे डायबिटीज का पता 4 साल तक देरी से चल सकता है। यह अध्ययन, प्रोफैसर अनूप मिश्रा और उनके सहयोगियों द्वारा लिखित, एचबीए1सी की सीमाओं पर गहन समीक्षा करता है। भारत में एनीमिया एक महामारी है- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एन.एफ.एच.एस.-5) के अनुसार, 50 प्रतिशत से अधिक वयस्क महिलाएं और 25 प्रतिशत पुरुष एनीमिया से प्रभावित हैं। एनीमिया आयरन की कमी से लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या घटाता है, जिससे एचबीए1सी का स्तर कृत्रिम रूप से ऊंचा हो जाता है। परिणामस्वरूप, जो व्यक्ति डायबिटीज से ग्रस्त नहीं है, उसे

गलत तरीके से डायबिटीज का मरीज घोषित कर दिया जा सकता है। इसके विपरीत, हीमोग्लोबिनोपैथी (जैसे थैलेसीमिया, जो भारत में 4 प्रतिशत आबादी को प्रभावित करता है) या जी6पीडी की कमी एचबीए1सी को कम दिखा सकती है, जिससे वास्तविक डायबिटीज वाले मरीजों का निदान देरी से होता है। अध्ययन के अनुसार, दक्षिण एशियाई लोगों में एचबीए1सी और वास्तविक ब्लड ग्लूकोज के बीच सहसंबंध कमजोर है। उदाहरण के लिए, एनीमिया वाले क्षेत्रों में एचबीए1सी पर निर्भरता से डायबिटीज का निदान 20-30 प्रतिशत मामलों में गलत हो सकता है। यह न केवल निदान को प्रभावित करता है, बल्कि उपचार को भी, अनावश्यक दवाएं या देरी से उपचार से जटिलताएं जैसे हृदय रोग, किडनी फेलियर बढ़ सकती हैं। अध्ययन की एक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत जैसे विकासशील देशों में, जहां एनीमिया और आनुवंशिक विकार आम हैं, एचबीए1सी को अकेले इस्तेमाल करना जोखिमपूर्ण है। यह पश्चिमी आबादी पर आधारित मानकों को सीधे लागू करने की भूल को उजागर करता है। भारत में डायबिटीज का बोझ पहले से ही भारी है। आई.सी.एम.आर. के अनुसार, 2030 तक यह 13.5 करोड़ तक पहुंच सकता है। लेकिन यह अध्ययन बताता है कि लाखों लोग अनदेखे डायबिटीज से पीड़ित हो सकते हैं, क्योंकि एचबीए1सी पर अंधविश्वास ने अन्य टैस्ट जैसे ओरल ग्लूकोज टॉलरैंस टैस्ट (ओ.जी.टी.टी.) या फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज (एफ.पी.जी.) को पीछे धकेल दिया है। विशेष रूप से ग्रामीण भारत और महिलाओं के लिए यह खतरा अधिक है, जहां एनीमिया दर 60 प्रतिशत से ऊपर है। देरी से निदान से न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बिगड़ता है, बल्कि स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ भी बढ़ता है। चिंता का मतलब घबराहट नहीं होना चाहिए। यह अध्ययन एक जागृति का संकेत है। भारतीयों की आनुवंशिक संरचना - जैसे थ्रिफ्टी जीन हाइपोथेसिस, जो दक्षिण एशियाई लोगों में इंसुलिन रेजिस्टैंस को बढ़ावा देती है - पहले से ही डायबिटीज को जन्मभूमि बनाती है। लेकिन एचबीए1सी की सीमाएं जानकर हम बेहतर रणनीति बना सकते हैं। अगर हम इसे नजरअंदाज करेंगे, तो साइलैंट किलर जानी जाने वाली डायबिटीज और घातक हो जाएगी। गौरतलब है कि फार्मा उद्योग, जो डायबिटीज मार्कीट से सालाना अरबों-खरबों कमाता है, इस अध्ययन से हलचल में आ सकता है। भारत में एचबीए1सी टैस्ट किट्स का बाजार 500 करोड़ रुपए से अधिक का है। इस अध्ययन से बड़ी कम्पनियों की बिक्री प्रभावित हो सकती है, क्योंकि डॉक्टर अब कॉम्बिनेशन टैस्ट की सिफारिश करेंगे। संभावना है कि फार्मा कंपनियां वैकल्पिक डायग्नोस्टिक टूल्स पर निवेश बढ़ाएंगी। दवाओं के मामले में भी सदियों से चली आ रही दवाओं पर सीधा असर कम होगा, क्योंकि निदान गलत होने से उपचार की शुरूआत प्रभावित होगी, लेकिन एक बार निदान हो जाए तो दवाओं को उसी मुताबिक दिया जाएगा। हालांकि, फार्मा इंडस्ट्री की लॉबी इस अध्ययन को चुनौती दे सकती है, यह दावा करते हुए कि एचबीए1सी अभी भी उपयोगी है। वहीं वैश्विक स्तर पर, कुछ कंपनियां, जो अलग तरह के जांच उपकरण व दवाएं बेचती हैं, इस नए अध्ययन को मार्कीटिंग के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। कुल मिलाकर, यह उद्योग के लिए एक अवसर भी साबित हो सकता है, जो बाजार को नया आयाम देगा। लेकिन अगर प्रतिक्रिया नकारात्मक हुई, तो नियामक दबाव बढ़ सकता है। भारतीय डॉक्टर इस अध्ययन से सहमत हैं, लेकिन घबराहट की बजाय सतर्कता की वकालत करते हैं। प्रोफैसर अनूप मिश्रा, अध्ययन के मुख्य लेखक और फोर्टस सीकेडी हॉस्पिटल के चेयरमैन, कहते हैं, एचबीए1सी पर पूर्ण निर्भरता से डायबिटीज की स्थिति का गलत वर्गीकरण हो सकता है। कुछ लोग अनुचित रूप से देरी से निदान हो सकते हैं। एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया के एक सर्वे में 70 प्रतिशत डॉक्टरों ने कहा कि एनीमिया वाले मरीजों में ओ.जी.टी.टी. को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस अध्ययन के बाद, डॉक्टरों का मत है कि एचबीए1सी उपयोगी है, लेकिन अकेला नहीं। वे मानते हैं कि मिलीजुली प्रक्रिया के तहत डायबिटीज जैसी बीमारी का निदान किया जा सकता है। यह अध्ययन हमें निष्क्रियता से हटाकर सक्रियता की ओर ले जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आप एचबीए1सी टैस्ट करवा रहे हैं, तो सी.बी.सी. (कम्प्लीट ब्लड काऊंट) से एनीमिया भी जरूर चौक करवाएं। अगर एनीमिया है, तो ओ.जी.टी.टी. या एफ.पी.जी. पर स्विच करें। इसके साथ ही 30 वर्ष से ऊपर वाले व्यक्तियों को हर साल कम से कम दो टैस्ट - एफ.पी.जी. और एचबीए1सी करवाने चाहिएं। डायबिटीज का 80 प्रतिशत जोखिम रोकथाम योग्य है। दैनिक 30 मिनट व्यायाम, फाइबर-युक्त आहार (दालें, सब्जियां) और वजन नियंत्रण अपनाएं। अध्ययन दिखाता है कि भारतीयों में वजन बढने से इंसुलिन रेजिस्टैंस तेजी से बढ़ता है। एनीमिया रोकने के लिए आहार में पालक, गुड़ और पौष्टिक आहार शामिल करें, लेकिन अपने डॉक्टर की सलाह से। अस्पतालों और सामाजिक संस्थाओं को सामुदायिक स्तर पर कैंप लगाने चाहिएं, जिससे कि जागरूकता बढ़े। सस्ते व आसानी से उपलब्ध ग्लूकोमीटर या ऐप्स से घर पर मॉनिटरिंग करें। ये कदम न केवल डायबिटीज को नियंत्रित करेंगे, बल्कि समग्र स्वास्थ्य भी सुधारेंगे। यह लैंसेट अध्ययन एचबीए1सी को खारिज नहीं करता, बल्कि इसकी सीमाओं को उजागर करता है। भारतीयों के लिए यह एक जागृति का क्षण है, चिंता करें, लेकिन उचित कार्रवाई भी करें। डायबिटीज से लड़ाई में सटीक निदान पहला कदम है। अगर हम इसे अपनाएं, तो भारत न केवल डायबिटीज कैपिटल से उबर सकता है, बल्कि हैल्थकेयर का वैश्विक मॉडल भी बन सकता है। समय है सोच बदलने का- स्वास्थ्य के लिए, भविष्य के लिए।

गरीबी में कमी

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी को दशार्ती है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि कही जा सकती है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। इसमें दो राय नहीं कि वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों से देश में आर्थिक असमानता को बढ़ावा मिला है। वहीं तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने एक छोटे वर्ग को असंगत रूप से लाभान्वित किया है। निश्चित रूप से नई आर्थिक नीतियों की विसंगतियों से उपजे असमान परिदृश्य में लाखों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर तो उठ गए,लेकिन वे बीमारी, नौकरी छूटने या जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं जैसे संकटों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं। आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाली आबादी के बड़े हिस्से के लिये यह खतरा बना हुआ है। एक मजबूत सुरक्षा कवच का अभाव इस संकट की संवेदनशीलता को बढ़ा देता है। भारत के विकास की गाथा तभी लिखी जा सकती है, जब हम इस असमानता की खाई को पाटकर गरीबी को कम करने की दिशा में आगे बढ़ें। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान,समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। निर्धन आबादी के लिये जनकल्याण की योजनाएं जरूर चलायी जानी चाहिए, लेकिन एक वक्त के बाद सरकारी सहायता पर उनकी निर्भरता को कम करना भी उतना ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, शिक्षा के प्रसार से इस वर्ग की उत्पादकता बढ़ाने की भी कोशिश की जानी चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

सिर्फ 15 मिनट में घर पर बनाएं स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर

अगर आपको चिली पनीर बहुत पसंद है और आप सोचते हैं कि इसे सिर्फ होटल या रेस्टोरेंट में ही खाया जा सकता है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सिर्फ 15 मिनट में स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर घर पर बना सकते हैं। यह रेसिपी झटपट बन जाती है और स्वाद में बिल्कुल बाजार जैसी लगती है।

चिली पनीर बनाने के लिए सामग्री

पनीरः 200 ग्राम (क्यूब्स में कटा हुआ)

शिमला मिर्चः 1 (लंबी स्लाइस में कटी हुई, हरीध्लालध्पीली कोई भी)

प्याजः 1 (पेटल्स में कटी हुई)

हरी मिर्चः 2 (लंबाई में कटी हुई)

लहसुनः 5-6 कलियां (बारीक कटा हुआ)

अदरकः 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)

तले जाने के लिए

कॉर्नफ्लोरः 2 बड़े चम्मच

मैदाः 2 बड़े चम्मच

नमकः स्वाद अनुसार

काली मिर्च) छोटा चम्मच

पानीः थोड़ा सा (घोल बनाने के लिए)

तेलः तलने के लिए

सॉस के लिएः

सोया सॉसः 1 बड़ा चम्मच

टमाटो सॉसः 2 बड़े चम्मच

रेड चिली सॉसः 1 बड़ा चम्मच

सिरकाः 1 छोटा चम्मच

शक्करः) छोटा चम्मच (वैकल्पिक)

नमकः स्वाद अनुसार

चिली पनीर बनाने की विधि

1. एक बाउल में कॉर्नफ्लोर, मैदा, नमक, और काली मिर्च डालें। थोड़ा पानी मिलाकर एक गाढ़ा घोल तैयार करें। पनीर क्यूब्स को इस घोल में अच्छे से डुबोएं।

2. कढ़ाई में तेल गरम करें और पनीर के टुकड़ों को सुनहरा होने तक तलें। फ्राई किए हुए पनीर को एक पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।

3. एक कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। उसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालें। 1 मिनट तक भूनें। अब प्याज और शिमला मिर्च डालें और तेज आंच पर 2-3 मिनट भूनें। (सब्जियां क्रंची रखें)

4. अब इसमें सोया सॉस, टमाटो सॉस, रेड चिली सॉस, सिरका और थोड़ी सी शक्कर डालें। स्वाद अनुसार नमक डालें और सब कुछ अच्छे से मिक्स करें। 2 चम्मच पानी मिलाएं ताकि हल्की ग्रेवी बने।

5. अब फ्राई किया हुआ पनीर इसमें डालें और अच्छे से मिक्स करें। 1-2 मिनट तक तेज आंच पर पकाएं ताकि सॉस अच्छे से पनीर पर कोट हो जाए।

ऑफिस में बैठते ही आपको आती है नींद, तो आप हो सकते हैं इस बीमारी के शिकार

हमें बचपन से यह बताया जाता है कि अगले दिन नींद अक्सर तब ज्यादा आती है जब हम रात में अच्छे से सोते नहीं हैं. जिसकी वजह से अगले दिन हम हमेशा नींद में रहते हैं या फिर सुस्ती में रहते है. अक्सर आपने देखा होगा कि अच्छी नींद लेने के बाद जैसे ही आप ऑफिस पहुंचते हैं, आपको नींद आने लगती है. जिससे की काम करने का मन नहीं करता है और ऐसा लगता है कि बस सो जाएं. अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है, तो आपको सावधान होने की जरूरत है. यह शरीर में सुस्ती का कारण नहीं है बल्कि यह एक बीमारी का भी लक्षण है. आइए आपको बताते है.

इस बीमारी की वजह से हो सकती है ये दिक्कत

दरअसल, यह एनीमिया की वजह से होता है. एनीमिया एक रक्त से संबंधित बीमारी है. इसके कारण शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं (क्रद्गस्त्र क्रद्यशशस्त्र ष्टद्गद्यद्य) बहुत कमजोर होने लगती हैं. ये हमारे शरीर में बीमारियों से लड़ने का काम करती हैं. इसकी कमी से शरीर में हीमोग्लोबिन (।।द्धद्गशद्दद्यशड्ढद्धठ्ठ) की कमी हो जाती है. और शरीर में आलस्य और सुस्ती घर करने लगती है.जिसके कारण आप अक्सर ऑफिस में थके हुए और आलसी नजर आते हैं.

कैसे दूर करें?

स्वाद से ज्यादा न्यूट्रिशन पर ध्यान दें

एनीमिया और आयरन की कमी को दूर करने के लिए अपने खाने में आयरन से भरपूर खाने की चीजें शामिल करें जैसे पालक, गोभी, मांस, चिकन, कलेजी और मछली जैसी हरी सब्जियों को अपनी भोजन की थाली का हिस्सा बनाएं.

विटामिन सी रिच फूड्स लें

शरीर में आयरन को जल्द एब्जॉर्ब करने के लिए विटामिन सी से भरपूर चीजें खाएं, संतरा, नींबू, स्ट्रॅाबेरी, टमाटर और शिमला मिर्च जैसी चीजें खाने से एनीमिया की प्रॉब्लम दूर होगी और इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है.

चाय-कॉफी का सेवन कम करें

ऑफिस में अक्सर यारों के साथ गपशप के दौरान चाय और कॉफी कई बार होती है. क्योंकि लगातार काम करने पर एनर्जी वापस पाने का ये सबसे बेहतर इपाय होता है.लेकिन इनका अधिक सेवन कई बार अन्य समस्याओं को भी पैदा करता है. जैसे टैनिन , जो शरीर में आयरन को ठीक से सोख नहीं पाता. पर्याप्त पानी और आराम है जरूरी ऑफिस की थकान से छुटकारा छुटकारा पाने के लिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है. पानी की कमी से खून गाढ़ा हो जाता है और शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाना मुश्किल हो जाता है. इसलिए दिनभर पानी पीते रहें ताकि रक्त संचार अच्छा रहे और शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन मिले. थकान एनीमिया का एक आम लक्षण है। इसलिए अच्छी नींद और आराम लेना जरूरी है ताकि आपका शरीर खुद को रिपेयर कर सके.

मूत्यु स्वाभाविक चरण और शात सत्य है

इन दिनों दक्षिण भारत का एक वीडियो खूब देखा जा रहा है। वीडियो एक विवाह समारोह का है, जिसमें दूल्हे के दिवंगत पिता को स्वर्ग से उतरते हुए दिखाया गया है। वह अपनी पत्नी और बेटों से मिलते और समारोह में शामिल होकर भोजन करते हुए भी नजर आते हैं। इसके बाद उन्हें फिर 'स्वर्गइ प्रस्थान करते दिखाया गया है। वीडियो को देख अनेक लोग हैरान हैं। कई लोग इसे देख भावुक भी हो उठते हैं पर इस वीडियो ने कई सवाल भी खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल, यह वीडियो एआई तकनीक से बनाया गया है जिसने डिजिटल क्रांति की तेज लहरों में बहते हुए अब जीवन की अंतिम सीमा यानी मृत्यु को भी तकनीकी प्रयोगों का हिस्सा बना दिया है। ये प्रयोग पश्चिमी देशों में खूब फल-फूल रहे हैं, और इसकी बदौलत वहां बाकायदा एक बड़ा उद्योग खड़ा हो गया है, जिसे 'डेथ टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीजइ नाम दिया गया है। दक्षिण भारत के वीडियो से पता चलता है कि अब भारत में भी इसके अंकुर फूटने लगे हैं। बड़ा सवाल यह है कि यह हमारे समाज में उगता हुआ भविष्य है, या भावनात्मक व्यापार? भारत में इसके लिए कारोबारी संभावनाएं तलाशने के लिए काम हो रहा है। जिस घर में भी मृत्यु होती है, वहां के लोगों को सांत्वना की जरूरत होती है। अपने परिजनों को खो देने वाले लोगों के घर तक जा कर सांत्वना देना हमारे समाज का स्थापित लोकाचार है, जिसमें तकनीक शामिल हो गई है। कई डिजिटल श्रद्धांजलि वेबसाइट्स, ऑनलाइन श्राद्ध और पूजा सेवाएं वगैरह पहले से हैं। इसमें नया अवतार है होलोग्राफिक प्रोजेक्शन, जिसमें मृत व्यक्ति 'जीवितइ दिखाई देता है। बड़ा सवाल यह है कि इस उद्योग के फैलने का समाज पर असर क्या होगा? क्या यह वास्तव में भावनात्मक सुकून का जरिया है, या माननीय संवेदनाओं से खेल कर पैसा बनाने का धंधा? बहरहाल, भले ही इस तकनीक का उद्देश्य श्रद्धा और स्मृति को बनाए रखना है, परंतु इसके दुष्परिणामों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। हमारे जीवन दर्शन में मूत्यु स्वाभाविक चरण और शात सत्य है, जिसका घटना लाजिमी है। हमें मृत्यु को स्वीकार कर आगे बढ़ना सिखाया जाता है, फिर भी यदि हम अपने परिजनों को पुनजीर्वित होते देखते हैं, तो सवाल उठता है कि क्या हम मृत्यु को स्वीकार कर पा रहे हैं? श्रद्धांजलि अर्पित करना अलग बात है पर जब हम तकनीक से मृतकों को 'पुनर्जीवितइ करते हैं, तो क्या हम सच में श्रद्धांजलि दे रहे हैं, या अपने मोह और मृत्यु को अस्वीकार करने को तकनीकी जामा पहना रहे हैं? परिजन की मृत्यु को स्मृतियों में सहेजना और उससे प्रेरणा लेना तो समझ में आता है पर उस मृत्यु को 'न होनेइ जैसा दिखाना घट चुके सच को भावनात्मक रूप से अस्वीकार करना ही तो कहा जाएगा। लिहाजा, हमें देखना पड़ेगा कि यह उद्योग कहीं मृत्युरूपी सत्य को 'अनदेखाइ करने का माध्यम तो नहीं बन रहा? हम दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं, इसके लिए पारंपरिक धार्मिक विश्वासों के आधार पर क्रिया-कलाप भी करते हैं। आत्मा को मोक्ष मिले, इसके लिए प्रार्थनाएं की जाती हैं। किसी की मृत्यु के उपरांत हम उसकी आत्मिक शांति के पक्ष में हैं, तो उसे बार-बार वर्चुअली बुलाना, एआई के जरिए उससे 'संवादइ करना, क्या आत्मा को बांधने के क्रियाकलाप में नहीं गिना जाएगा? क्या यह सब उस आत्मा की शांति में हस्तक्षेप नहीं होगा? जिस व्यक्ति के मोक्ष की हम कामना कर चुके, उसे इस प्रकार रूबरू कर लेना क्या पुनः आान नहीं कहलाएगा? दिवंगतों के होलोग्राम को बार-बार देखना क्या वियोग के दुःख को बढ़ाएगा नहीं? हमारे देश, जहां मानसिक बीमारियों को बीमारी ही नहीं माना जाता है, में यह तकनीक परेशानी को बढ़ाने का सबब बन सकती है। इससे अनेक वृद्धों, भावुक व्यक्तियों, मानसिक रूप से संवेदनशील और दिमागी तौर पर अस्वस्थ लोगों की समस्याएं बढ़ सकती हैं। होलोग्राम पर मृतकों को बार-बार देखना और चैटबॉट्स के जरिए उनसे 'बातें करनाइ ऐसे लोगों को भ्रमित कर सकता है। डेथ टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीज भारत में अपने आरंभिक चरण में है लेकिन इसके बीज बोए जा चुके हैं।

ना लक्षण, ना दर्द - फैटी लिवर, धीरे-धीरे करता है लिवर को डैमेज

आज के समय में हमारी दिनचर्या, खानपान और शारीरिक सक्रियता में भारी बदलाव आया है। लोग देर रात तक जागते हैं, जंक फूड खाते हैं और व्यायाम से दूरी बनाए हुए हैं। इसी वजह से लिवर की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इनमें सबसे आम और चिंताजनक स्थिति है फैटी लिवर, जो अक्सर बिना लक्षण के धीरे-धीरे बढ़ती है और गंभीर रूप ले सकती है।

क्या है फैटी लिवर?

फैटी लिवर एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर की कोशिकाओं में वसा जमा होने लगती है। जब लिवर के कुल वजन का 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा चर्बी में बदल जाता है, तो यह स्थिति चिंता का विषय बन जाती है। शुरूआत में कोई लक्षण नहीं होते, जिससे यह बीमारी लंबे समय तक छुपी रह सकती है।

लापरवाही बन सकती है जानलेवा

यदि फैटी लिवर की अनदेखी की जाए, तो यह धीरे-धीरे लिवर सिरोसिस या लिवर कैंसर जैसी घातक बीमारियों का रूप ले सकती है। लिवर की कार्यक्षमता कमजोर हो जाती है और शरीर के अन्य अंगों पर भी असर पड़ने लगता है। सही समय पर पहचान और इलाज न होने पर मरीज की जान को खतरा हो सकता है।

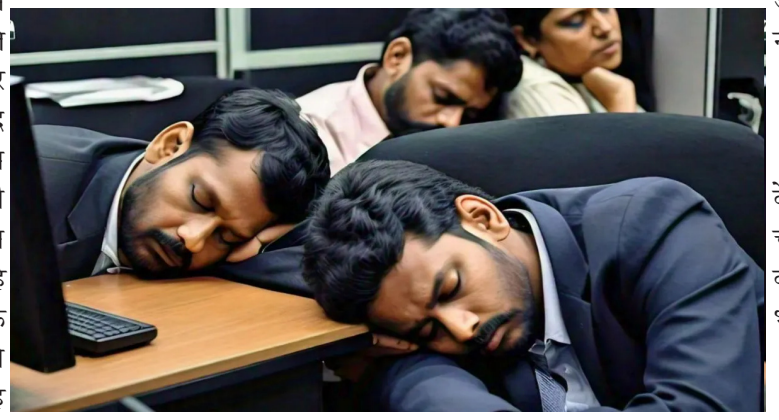

क्यों होता है फैटी लिवर?

इस बीमारी के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है शराब का अत्यधिक सेवन। इसके अलावा तली-भुनी चीजों का ज्यादा सेवन, मोटापा, डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल और शारीरिक निष्क्रियता भी इसके लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। अधिकतर मामलों में यह खराब जीवनशैली और खानपान की वजह से होता है।

लक्षण देर से आते हैं, लेकिन होते हैं गंभीर

फैटी लिवर के शुरूआती चरण में कोई खास लक्षण नजर नहीं आते, लेकिन जब यह रोग गंभीर हो जाता है, तब शरीर कुछ संकेत देने लगता है। थकान, पेट में भारीपन, भूख में कमी, पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, गहरे रंग का पेशाब, त्वचा और आंखों का पीलापन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। बीमारी और अधिक बढ़ने पर मल का रंग काला होना और खून की उल्टी जैसी स्थितियां सामने आ सकती हैं।

बचाव है आसान, जरूरत है सजगता की

इस बीमारी से बचाव पूरी तरह संभव है, अगर व्यक्ति समय रहते सजग हो जाए। वजन को नियंत्रित रखना, संतुलित और पौष्टिक भोजन लेना, शराब और धूम्रपान से दूरी बनाना जरूरी है। नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और तनाव मुक्त जीवनशैली लिवर को स्वस्थ रखने में मदद करती है। साथ ही समय-समय पर लिवर फंक्शन टेस्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच कराना भी फायदेमंद होता है। समय पर लिया फैसला, बचा सकता है जीवन फैटी लिवर की पहचान और इलाज जितनी जल्दी हो, उतना बेहतर है। यह रोग शुरूआत में काबू किया जा सकता है, लेकिन लापरवाही की स्थिति में यह जानलेवा हो सकता है। लिवर हमारे शरीर का एक बेहद अहम अंग है, इसलिए इसकी सेहत को नजरअंदाज करना भविष्य में भारी पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 में सुनवाई प्रक्रिया तेज

लखनऊ, : प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 6 जनवरी, 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में नो मैपिंग से संबंधित 1 करोड़ 04 लाख मतदाता तथा तार्किक विसंगतियों से संबंधित 2 करोड़ 22 लाख मतदाता सहित कुल 3 करोड़ 26 लाख मतदाताओं को नोटिस निर्गत किया जाना है। जिसके क्रम में अब तक कुल 3 करोड़ 23 लाख नोटिस निर्गत किये जा चुके हैं। निर्गत किये गये नोटिसों में से लगभग 1 करोड़ 58 लाख से अधिक नोटिस संबंधित मतदाताओं को बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा प्राप्त कराये जा चुके हैं। मतदाताओं को प्राप्त कराये गये नोटिसों में से अब तक लगभग 90 लाख नोटिसों पर अधिसूचित अधिकारियों द्वारा सुनवायी भी की जा चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने एवं मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रदेश में नोटिसों की सुनवायी हेतु कुल 13 हजार 161 अधिकारी नियुक्त है, जिसमें 403 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) तथा 12 हजार 758 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (एईआरओ) नियुक्त हैं।

अफगानिस्तान ने विश्व कप में खोला जीत का खाता, सुपर आठ की उम्मीदें जीवंत

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने यूएई को हराकर सुपर आठ चरण के लिए उम्मीदें कायम रखी हैं। अफगानिस्तान के लिए इस मैच के जीत के हीरो इब्राहिम जादरान और अजमातुल्लाह ओमरजई रहे। सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान और अजमातुल्लाह ओमरजई की शानदार बल्लेबाजी से अफगानिस्तान ने यूएई को पांच विकेट से हराया। अफगानिस्तान ने इस तरह टी20 विश्व कप में जीत का खाता खोला और सुपर आठ चरण के लिए अपनी उम्मीदें जीवंत रखी है। यूएई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सोहेब खान के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में नौ विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाकर मैच जीता। अंक तालिका का हाल अफगानिस्तान और यूएई के बीच मैच के बाद ग्रुप डी की अंक तालिका का हाल बदल गया है। अफगानिस्तान की टीम तीन मैचों में दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि यूएई की टीम भी इतने मैचों में समान अंक लेकर

चौथे स्थान पर खिसक गई है। अफगानिस्तान का सामना अब कनाडा से होना है और अगर उसे सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीद बरकरार रखनी है तो ये मैच हर हाल में जीतना होगा। इतना ही नहीं न्यूजीलैंड का सामना भी कनाडा से ही होना है। अगर न्यूजीलैंड ये मैच जीत गई तो दक्षिण अफ्रीका के साथ अगले दौर में पहुंच जाएगी, जबकि अफगानिस्तान का सफर समाप्त हो जाएगा। जादरान के बाद चमके ओमरजई लक्ष्य का पीछा करने उतरे अफगानिस्तान ने मैच की दूसरी ही गेंद पर रहमानुल्लाह गुरबाज (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने जुनैद की गेंद पर शोएब को कैच थमाया। जादरान ने चौथे ओवर में हैदर अली को निशाना बनाते हुए उनके ओवर में तीन चौकों और एक छक्के से 18 रन जुटाए। गुलबदिन नईब (13) ने भी मोहम्मद जवादुल्लाह पर छक्का और चौका मारा लेकिन अगले ओवर में मोहम्मद अरफान की गेंद को प्वाइंट पर हर्षिक कौशिक को कैच दे बैठे। अफगानिस्तान ने पावरप्ले में दो विकेट पर 41 रन बनाए। सेदिकुल्लाह अटल (16) ने अरफान पर चौके के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया और फिर अगले ओवर में सिमरनजीत सिंह पर छक्का जड़ा लेकिन जवादुल्लाह ने यॉर्कर पर उनके विकेट उखाड़ दिए। जादरान ने सिमरनजीत पर चौके और फिर दो रन के साथ 37 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसके बाद अरफान की गेंद पर यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम को कैच दे बैठे। जादरान 41 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 53 रन बनाकर आउट हुए। ओमरजई ने अंत तक संभाले रखा मोर्चा अफगानिस्तान के रनों का सैकड़ा 14वें ओवर में पूरा हुआ। अफगानिस्तान को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 52 रन की दरकार थी। अजमातुल्लाह ने सिमरनजीत जबकि दारविश ने अरफान पर छक्के के साथ रन और गेंद के बीच के अंतर को कम किया। अजमातुल्लाह ने अगले अगले ओवर में जुनैद पर भी छक्का मारा लेकिन दारविश बोल्ड हो गए। उन्होंने 23 गेंद की अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का मारा। अफगानिस्तान को अंतिम दो ओवर में 17 रन की जरूरत थी और अजमातुल्लाह ने जवादुल्लाह पर छक्के और चौके के साथ उसकी जीत तय की। राशिद ने पूरे किए 700 टी20 विकेट इससे पहले अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यूएई के लिए सोहेब खान ने 48 गेंदों पर छह चौकों और चार छक्कों की मदद से 68 रन बनाए जिससे यूएई अफगानिस्तान के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। यूएई के लिए सोहेब के अलावा अलीशान शराफु ने 31 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से ओमरजई ने चार विकेट झटके, जबकि मुजीब उर रहमान को एक और राशिद खान को एक विकेट मिला। राशिद ने इसके साथ ही टी20 में 700 विकेट पूरे किए।

मैच के बाद कुलदीप यादव पर भड़के हार्दिक, किस कारण हुई दोनों में बहस

कोलंबो। भारत ने पाकिस्तान पर बड़ी जीत दर्ज की, लेकिन मैच के बाद हार्दिक पांड्या ने जिस तरह कुलदीप यादव को फटकार लगाई उसने सभी का ध्यान खींचा। हार्दिक कुलदीप के कैच छोड़ने से निराश थे और अपना गुस्सा जाहिर करने से खुद को नहीं रोक सके। भारत ने पाकिस्तान को हराकर टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन मैच के बाद हार्दिक पांड्या और कुलदीप यादव में बहस हो गई जिसने सभी का ध्यान अपनी

ओर खींचा। पाकिस्तान को हराने के बाद टीम के खिलाड़ी जश्न में डूबे थे, लेकिन हार्दिक और कुलदीप में बहस होने लगी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। क्यों भड़के हार्दिक हार्दिक कैच छूटने के कारण कुलदीप पर भड़के थे। पाकिस्तान की पारी के 18वें ओवर के दौरान हार्दिक पांड्या की गेंद पर बाउंड्र पर खड़े कुलदीप से शाहीन अफरीदी का कैच छूट गया। दरअसल, शाहीन ने पुल शॉट खेला और गेंद सीधे कॉर्नर पर खड़े कुलदीप के पास गई। कुलदीप ने कैच लपक भी लिया था, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई और बाउंड्री के पार चली गई। इस गलती से हार्दिक काफी निराश दिखे हालांकि उस वक्त उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दी। हार्दिक का असली गुस्सा तब फूटा जब उन्होंने उस्मान तारिक को आउट कर पाकिस्तान की पारी को ढेर किया। जैसे ही टीम विकेट का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुई, हार्दिक पांड्या कुलदीप यादव की ओर मुड़े और उन्हें कैच छोड़ने की गलती पर जमकर फटकार लगाने लगे। इस दौरान कुलदीप के चेहरे पर मायूसी और उदासी साफ झलक रही थी। इतना ही नहीं, कुलदीप के कैच छोड़ने से कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी गुस्सा आया और वह कुलदीप को फटकारते दिखे थे। भारत ने सुपर आठ के लिए किया क्वालिफाई भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया।

इरफान पठान ने लिए पाकिस्तान के मजे, अफगान जलेबी गाने पर किया डांस

नई दिल्ली। भारत की पाकिस्तान पर जी के बाद इरफान पठान का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इरफान ने पाकिस्तान को ट्रोल किया है। टी20 विश्व कप में भारत की पाकिस्तान पर धमाकेदार जीत के बाद पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी पाकिस्तान के मजे लिए।

इरफान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह 'अफगान जलेबी' गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। भारत ने कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रनों से हराया और सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। सुपर आठ में पहुंचा भारत भारत ने ग्रुप ए के मैच में पाकिस्तान को 61 रनों से हराया। भारत की जीत के बाद इरफान ने पाकिस्तानी टीम के जमकर मजे लिए। उन्होंने 'अफगान जलेबी' पर डांस करते हुए पाकिस्तान का मजाक उड़ाया। इतना ही नहीं, इस वीडियो को शेयर करते हुए इरफान ने कैप्शन में लिखा, 'कैसा रहा रविवार।' भारत की जीत के बाद इरफान का यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है। यह पहली बार नहीं जब इरफान ने 'अफगान जलेबी' गाने पर डांस किया है। इससे पहले जब भारतीय टीम ने पिछले साल एशिया कप में पाकिस्तान को हराया था तो इरफान ने इसी गाने पर डांस किया था। यही नहीं चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान जब अफगानिस्तान ने इंग्लैंड पर जीत दर्ज की थी तो भी इरफान ने 'अफगान जलेबी' गाने पर ही डांस किया था। भारत की एकतरफा जीत भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने ईशान किशन के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। भारत के लिए ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई और 61 रनों से उसने मुकाबला गंवाया। यह भारत की टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले ईशान किशन ने शानदार प्रदर्शन किया और फिर भारतीय गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी।

भारत के खिलाफ मिली शिकस्त पर फूटा प्रशंसक का गुस्सा तोड़ डाली टीवी

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर दबदबा दिखाते ही पाकिस्तान को धूल चटा दी है। लेकिन पाकिस्तान टीम के समर्थक इस हार को नहीं पचा पा रहे हैं। पाकिस्तान में जगह-जगह फैंस टीवी

तोड़ते नजर आए जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टी20 विश्व कप के मुकाबले में पाकिस्तान को हराया। विश्व कप में पाकिस्तान का भारत के खिलाफ रिकॉर्ड बेहद खराब है और यही स्थिति कोलंबो में भी जारी रही। पाकिस्तान की टीम भारत के सामने ना तो गेंद और ना ही बल्ले से चुनौती पेश कर सकी। भारत की जीत के बाद एक बार फिर पाकिस्तान में प्रशंसकों का गुस्सा फूट पड़ा है। कई जगह से टीवी फोड़ने के वीडियो सामने आ रहे हैं, जाहिर है कि पाकिस्तानी प्रशंसक भारत के खिलाफ एक और हार को नहीं पचा पा रहे हैं। पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सका पाकिस्तान भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने ईशान किशन के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। भारत के लिए ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई और 61 रनों से उसने मुकाबला गंवाया। यह भारत की टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले ईशान किशन ने शानदार प्रदर्शन किया और फिर भारतीय गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस प्रशंसक ने सोशल मीडिया पर टीवी तोड़ते हुए वीडियो अपलोड किया और लिखा, 'भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया है और मैंने गुस्से में अपना टीवी तोड़ दिया।' वहीं, पाकिस्तान में एक यू-ट्यूब चैनल के शो के दौरान भी प्रशंसक ने गुस्से से टीवी तोड़ दिया। मालूम हो कि पाकिस्तान में भारत से हार के बाद टीवी तोड़ना अब आम बात हो गई है। हर बार जब पाकिस्तान टीम को शिकस्त मिलती है तो पड़ोसी मुल्क में इसी तरह टीवी तोड़े जाते रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि यह सिलसिला अब भी जारी है। स्टेडियम के बाहर निराश दिखे पाकिस्तानी प्रशंसक कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम में भी पाकिस्तानी प्रशंसक निराश नजर आए। मकबूल नामक एक प्रशंसक ने निराशा व्यक्त की। मकबूल ने कहा, मुझे लगता है कि अब यह एक आम बात हो गई है। मुझे थोड़ी उम्मीद थी कि हम मैच जीतेंगे और कम से कम कड़ी टक्कर देंगे। लेकिन यह तो एक आम बात हो गई है। हमारे पास बुमराह का कोई जवाब नहीं है। हम हार्दिक का सामना नहीं कर सकते। यही हाल है। हमेशा की तरह, टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रशंसक ने कहा, अगर यही प्रदर्शन जारी रहा तो हम भारत को नहीं हरा पाएंगे। भारतीय टीम बहुत अच्छी है। उनकी तैयारी वाकई शानदार है। आम तौर पर मैं हर चीज में कुछ न कुछ सकारात्मक पहलू ढूंढ लेता हूं। लेकिन आज मेरा दिल टूट गया है। यह बहुत ही खराब प्रदर्शन है। कुछ दशकों तक हमारा दबदबा रहा। लेकिन पिछले 20-25 वर्षों में भारत शीर्ष पर है। भारत ने 8-1 किया रिकॉर्ड पाकिस्तान की टीम विश्व कप में भारत के खिलाफ कहीं भी नहीं टिक पाती है। टी20 विश्व कप की ही बात करें तो भारत और पाकिस्तान के बीच कुल नौ बार टक्कर हुई है जिसमें से आठ बार भारतीय टीम को जीत मिली है, जबकि सिर्फ एक बार पाकिस्तान ने जीत का स्वाद चखा है। 2021 के बाद से तो लगातार भारतीय टीम विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को मात दे रही है।

पाकिस्तान की हार पर दिल्ली पुलिस ने भी ली चुटकी, यू-टर्न को लेकर इस तरह कसा तंज

नई दिल्ली। पाकिस्तान पर भारत की शानदार जीत के बाद सोशल मीडिया पर प्रशंसक जमकर पड़ोसी देश का मजाक उड़ा रहे हैं। दिल्ली पुलिस भी पीछे नहीं रही और उसने सड़क सुरक्षा पर संदेश के बहाने पाकिस्तान पर तंज कसा। भारत ने पाकिस्तान को हराकर टी20 विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार रखा है। भारत की जीत पर जहां पूरे देश में जश्न का माहौल है तो वहीं दिल्ली पुलिस ने भी पड़ोसी मुल्क की टीम पर चुटकी ली है। दरअसल, पाकिस्तान ने पहले भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में अपने फैसले पर यू-टर्न लिया था। अब इसे लेकर ही दिल्ली पुलिस ने मजेदार पोस्ट किया है। इरफान पठान ने लिए पाकिस्तान के मजे, 'अफगान जलेबी' गाने पर किया डांस; पूछा- कैसा रहा रविवार आगरा भारत मस्त, पाकिस्तान पस्त भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने ईशान किशन के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। भारत के लिए ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई और 61 रनों से उसने मुकाबला गंवाया। यह भारत की टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले ईशान किशन ने शानदार प्रदर्शन किया और फिर भारतीय गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी।

पाकिस्तान के कोच माइक हेसन ने इस भारतीय खिलाड़ी को जमकर सराहा

कोलंबो। पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने भी ईशान किशन का लोहा माना है। हेसन ने बताया कि ईशान की ही पारी ने दोनों टीमों के बीच टी20 विश्व कप के मुकाबले में अंतर पैदा किया। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत में अहम योगदान देने वाले ईशान किशन को लेकर विरोधी टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने भी बड़ा बयान दिया है। हेसन ने इस बात को स्वीकार किया है कि ईशान किशन की पारी ने उनकी टीम के हाथों से मैच छीन लिया। हेसन ने कहा कि ईशान के तूफानी अर्धशतक ने इस मैच में भारत और पाकिस्तान के बीच अंतर पैदा किया। ईशान ने खेली तूफानी पारी ईशान ने पाकिस्तान के खिलाफ 40 गेंद पर 77 रन की तूफानी पारी खेली जिसकी मदद से भारत ने रविवार को कोलंबो में पाकिस्तान को 61 रन से हराकर सुपर आठ में जगह पक्की कर ली। हेसन ने स्वीकार किया कि किशन ने प्रेमादासा की धीमी पिच पर पाकिस्तान के धीमे गेंदबाजों के खिलाफ 37 गेंदों में 66 रन बनाकर उनकी स्पिन-प्रधान रणनीति को ध्वस्त कर दिया। हेसन ने कहा, मुझे लगता है कि ईशान बेखौफ होकर खेलता है। वह मैदान के दोनों तरफ रन बना सकता है। इसलिए वह सिर्फ लेग साइड तक ही सीमित नहीं है। हम जानते हैं कि वह लेग साइड का मजबूत बल्लेबाज है, लेकिन वह रिवर्स शॉट भी खेल सकता है। इसलिए, अगर विशेष कर पावर प्ले में स्पिन गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे हो तो उसे रोकना चुनौती हो सकती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह से वह शानदार फॉर्म में हैं, उससे हमारे स्पिनरों पर काफी दबाव पड़ा और शायद वे बेसिक्स से भटक गए। उसके अलावा शिवम दुबे का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर था, लेकिन मुकाबला कठिन था। किशन की पारी वास्तव में पूरे मैच में सबसे बेहतरीन थी। किशन जिस तरह से खेला, उसने हमसे मैच छीन लिया। अक्षर पटेल बोले- पाकिस्तान के खिलाफ मैच का दबाव अधिक होता है भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने स्वीकार किया कि भारत और उसके चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच के दौरान अतिरिक्त दबाव होता है, लेकिन उन्होंने कहा कि खिलाड़ी सदियों पुरानी प्रतिद्वंद्विता को लेकर बाहर हो रही चचाओं पर गौर न करके शांतचित्त होकर अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं। अक्षर ने कहा, हां, दबाव तो होता है।

'यह जीत भारत के लिए', पाकिस्तान को हराने के बाद बोले सूर्यकुमार पहले बल्लेबाजी करने पर दिया बयान

कोलंबो। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पाकिस्तान पर जीत से गदगद हैं और उन्होंने कहा कि यह जीत भारत के लिए है। सूर्यकुमार ने साथ ही बताया कि किस तरह पहले बल्लेबाजी करना उनकी टीम के लिए फायदेमंद रहा।

भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान पर जीत के बाद कहा कि ये जीत भारत के लिए है। भारत ने रविवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई किया। भारत ने इस तरह विश्व कप में जीत की हैट्रिक लगाई और पाकिस्तान को चारों खाने चित्त करने में सफल रहा। भारत का सामना अब ग्रुप चरण के अंतिम मैच में नीदरलैंड से 18 फरवरी को होगा। ईशान और गेंदबाजों के दम पर जीता भारत भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने ईशान किशन के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। भारत के लिए ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। यह भारत की टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले ईशान किशन ने शानदार प्रदर्शन किया और फिर भारतीय गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया। सूर्यकुमार बोले- हमने अच्छा स्कोर खड़ा किया सूर्यकुमार ने कहा कि इस पिच पर 155 रन प्रतिस्पर्धी स्कोर होता और वह 15 से 20 रन अधिक बनाने में सफल रहे। भारतीय टी20 कप्तान ने कहा, मेरे ख्याल से यह जीत भारत के लिए है। हम इसी तरह का क्रिकेट खेलना चाहते थे। इस पिच पर पहले बल्लेबाजी करना बेहतर विकल्प था। पहले बल्लेबाजी करते समय यह कहना मुश्किल था कि प्रतिस्पर्धी स्कोर कितना होता। लेकिन जैसे ही हम 175 पर पहुंचे तो हमें लगा कि हमने प्रतिस्पर्धी स्कोर से 15-20 रन अधिक बना लिए हैं। 155 रन पर यह बहुत करीबी मुकाबला होता। भारतीय कप्तान ने अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने वैसा ही क्रिकेट खेला जैसा वे खेलना चाहते थे। सूर्यकुमार ने कहा, हमने वैसा ही क्रिकेट खेला जैसा हम खेलना चाहते थे। ईशान ने भी उसकी तरह की बल्लेबाजी की। ईशान ने कुछ अलग सोचा। एक रन पर पहला विकेट गंवाने के बाद किसी को जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी और उसने कमाल का काम किया। जिस तरह से तिलक वर्मा, शिवम दुबे और रिंकू सिंह ने बल्लेबाजी की, वह काबिलेतारीफ है। हार्दिक ने नई गेंद से प्रहार किया और फिर बुमराह ने दिखाया कि वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ क्यों हैं। सभी को योगदान देते हुए देखकर बहुत अच्छा लगा। स्पिनरों के लिए क्या बोले सलमान आगा? पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा कि पावरप्ले में तीन-चार विकेट गंवाने के बाद आप मैच में पीछा ही करते रह जाते हैं। सलमान ने कहा, हम चार स्पिनर्स के साथ उतरे लेकिन उनका दिन अच्छा नहीं था। कुछ हिस्सों में योजनाओं को अच्छी तरह लागू नहीं कर पाए। बल्ले से हमने अच्छी शुरूआत नहीं की। अगर आप पावरप्ले में तीन-चार विकेट खो देते हैं तो आप हमेशा मैच में पीछा ही करते रह जाते हैं।

स्टीव स्मिथ विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल जोश हेजलवुड की जगह मिला मौका

कोलंबो। स्टीव स्मिथ चोटिल जोश हेजलवुड की जगह ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हो गए हैं। आईसीसी ने स्मिथ को शामिल करने की मंजूरी दे दी है। श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले स्मिथ टीम से जुड़े हैं। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के महत्वपूर्ण मैच से कुछ घंटे पहले सोमवार को चोटिल तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह

बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को टीम में शामिल कर दिया। इस तरह स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम के 15वें सदस्य बन गए हैं। आईसीसी ने की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में कहा, स्मिथ को पिंडली की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने वाले हेजलवुड की जगह टीम में शामिल किया गया है। टीम के चिकित्सकों को उम्मीद थी कि वह टूर्नामेंट के अंतिम चरण में खेलने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इससे पहले चोटिल कप्तान मिचेल मार्श के कवर के तौर पर स्मिथ को श्रीलंका भेजा गया था। मार्श ऑस्ट्रेलिया के शुरूआती दोनों मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने हालांकि रविवार को टीम के साथ अभ्यास किया। स्मिथ ने पिछले साल फरवरी के बाद से कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, लेकिन घरेलू प्रतियोगिताओं में उन्होंने इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। जिम्बाब्वे से 23 रन की हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का विश्व कप अभियान अधर में लटक गया है और उसे टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने से बचने के लिए सोमवार को श्रीलंका को हर हाल में हराना होगा।

जल संरक्षण हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी: राजीव कुमार

लखनऊ। केन्द्रीय जल आयोग के मुख्य अभियंता राजीव कुमार ने भविष्य में संभावित जल संकट को लेकर आमजन को जागरूक करते हुए जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेडियो गूँज के माध्यम से उन्होंने लोगों से दैनिक जीवन में पानी के विवेकपूर्ण उपयोग तथा अनावश्यक जल बबार्दी रोकने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में अत्यधिक जल उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए किसानों को ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को अपनाने की सलाह दी, ताकि कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो सके। साथ ही उन्होंने वर्षा जल संचयन, भूजल संरक्षण और स्थानीय स्तर पर जल स्रोतों के पुनर्जीवन पर भी जोर दिया। श्री कुमार ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक भागीदारी से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

पीआर के साथ काम करने पर शोभिता धुलिपाला ने दिया बड़ा बयान

कहा- मैं 24x7 दिखाई नहीं देना चाहती

एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में पीआर के साथ काम करने को लेकर बातचीत की। इसमें उन्होंने अपने पब्लिक अपीरियंस को लेकर भी कहा कि वो क्यों ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहती। हाल ही में एचटीसिटी को दिए इंटरव्यू में शोभिता धुलिपाला ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल पसंद को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि भले ही उन्होंने कभी-कभी पीआर टीम के साथ काम किया है, लेकिन वह खुद को उस सिस्टम से ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस नहीं करतीं। मैं 24x7 दिखाई नहीं देना चाहती शोभिता ने कहा, ह्यपिछले कुछ वर्षों में मैंने थोड़े-बहुत समय के लिए पीआर फर्म के साथ काम किया है। लेकिन मेरी पर्सनैलिटी और जिस तरह की जिंदगी मैं जीना चाहती हूं, उसके हिसाब से मैंने तय किया है कि मुझे इस तरह की एम्प्लीफिकेशन की जरूरत नहीं है। मैं 24x7 दिखाई नहीं देना चाहती और न ही चाहती हूं कि हर समय मेरे बारे में बातें हों। यह मेरी रुचि नहीं है और मुझे यह अपने लिए जरूरी नहीं लगता। पीआर के साथ करने पर क्या बोलीं शोभिता उन्होंने आगे साफ किया कि वह फिलहाल पीआर के साथ काम नहीं कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि यह हर किसी की अपनी पसंद होती है। उन्होंने कहा, ह्यमैं पीआर के साथ काम नहीं करती, लेकिन शायद यह किसी और के लिए सही हो। इस मामले में कोई नियम तय नहीं है। हर किसी की अपनी पसंद होती है, और मुझे अपनी पसंद को लेकर पूरी स्पष्टता है। शोभिता का यह बयान दिखाता है कि वह लाइमलाइट से ज्यादा अपने काम और निजी जीवन को अहमियत देती हैं। शोभिता आखिरी बार लव सितारा में नजर आईं थीं, जो फिलहाल जीफाइव पर स्ट्रीम हो रही है। इससे पहले वो 'चीकाटिलो' फिल्म में नजर आईं थीं, जो कि एक सस्पेंस-थ्रिलर है

सुनवाई से पहले सोनू सूद ने की राजपाल यादव की रिहाई की दुआ, कहा-हम प्रार्थना करते हैं उन्हें राहत मिले..

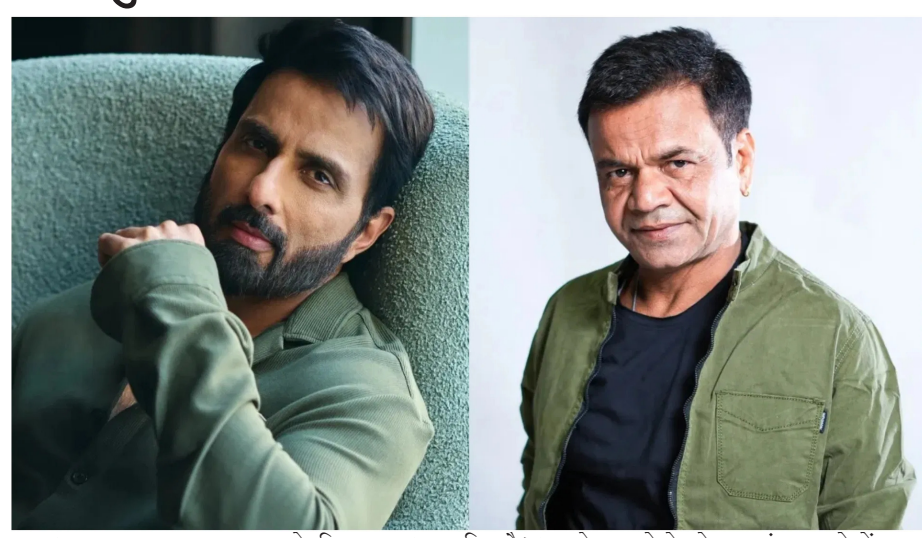

आज एक्टर राजपाल यादव के लिए बड़ा अहम दिन है। 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में एक्टर की जमानत याचिका पर आज दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। हाल ही में कोर्ट ने एक शर्त के साथ राजपाल को राहत देने की याचिका पर विचार किया। अदालत ने निर्देश दिया कि वो पहले 1.5 करोड़ रुपये की राशि जमा कराएं, जिसके बाद उन्हें रिहा किया जा सकता है। फिलहाल कोर्ट की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है और दोपहर 3 बजे से दोबारा सुनवाई होगी। इसी बीच एक्टर सोनू सूद ने राजपाल के समर्थन में एक खास पोस्ट शेयर किया है, जो खूब वायरल हो रहा है। सुनवाई से पहले सोनू सूद ने राजपाल यादव को राहत मिलने की प्रार्थना करते हुए एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ह्यआज हमारे भाई राजपाल यादव के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। हम प्रार्थना करते हैं कि सब कुछ सही दिशा में आगे बढ़े और उन्हें वह राहत मिले, जिसके वे हकदार हैं। वे एक विलक्षण प्रतिभा और एक नेक आत्मा हैं। हमें इस प्रयास को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए, हम उनके साथ खड़े हैं और तब तक प्रयास जारी रखेंगे, जब तक सब कुछ ठीक नहीं हो जाता। बता दें, सोनू सूद ही वह एक्टर हैं, जो इंडस्ट्री में से 9 करोड़ के कर्जे में दबे राजपाल यादव के समर्थन में सबसे पहले आगे आए थे। एक्टर के तिहाड़ जेल में सरेंडर करने के बाद सोनू सूद ने उनका समर्थन करते हुए उन्हें एक फिल्म ऑफर की थी और साथ हीइंडस्ट्री से एक्टर की मदद करने की अपील भी की थी। इसके बाद बॉलीवुड से सलमान खान, अजय देवगन, वरुण धवन, गुरमीत चौधरी, केआरके और अनूप जलोटा कई सितारे उनकी मदद के लिए आगे आए थे। वहीं, अब सबकी नजरें राजपाल यादव के केस में कोर्ट की सुनवाई पर टिकी हुई है और दोपहर की सुनवाई के बाद ही स्थिति और साफ हो सकती है।

आदेश के बाद भी पेश नहीं हुई अमीषा पटेल, मुरादाबाद कोर्ट ने एक्ट्रेस के खिलाफ जारी किया गैर जमानती वारंट

एक्टर राजपाल यादव के बाद अब बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल की मुश्किलें भी बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। उनके खिलाफ ये वारंट उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद कोर्ट ने सालों पुराने धोखाखड़ी के मामले में जारी किया है। दरअसल, ये मामला साल 2017 का है, जब उस वर्ष अमीषा पटेल ने शादी में परफॉर्मेंस के लिए साढ़े 14 लाख रुपये लिए थे, लेकिन रकम लेने के बावजूद भी वह कार्यक्रम में नहीं पहुंची थी। इस मामले में एक्ट्रेस के खिलाफ मुरादाबाद निवासी पवन कुमार वर्मा (इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के मालिक) ने केस दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता पवन के अनुसार, अमीषा पटेल ने 11 लाख रुपये एडवांस मांगे, जिस पर पवन मान गए। बाद में शादी के दौरान अमीषा दिल्ली पहुंचीं और डेस्टिनेशन तक पहुंचने के लिए 2 लाख रुपये और मांगने लगी और पवन कुमार ने ऐसा करने से मना कर दिया। इस पर वह बिना बताए वापस लौट गईं। इस मामले में अमीषा पटेल के अलावा सुरेश कुमार, राजकुमार गोस्वामी और अहमद शरीफ के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। एक्ट्रेस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी (षड्यंत्र), 406 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी), 504 और 506 के तहत आरोप लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि मामले में 2 लाख रुपये का एक चेक भी दिया गया था, जो बैंक में बाउंस हो गया। कोर्ट ने उन्हें 2026 में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन अनुपस्थित रहने के कारण अब गैर-जमानती वारंट जारी किया गया है।

पति विराट संग एयरपोर्ट पर अनुष्का शर्मा ने ली एंट्री, व्हाइट फ्लोरल आउटफिट में एथनिक लुक से चुराई लाइमलाइट

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और क्रिकेटर विराट कोहली बॉलीवुड और क्रिकेट जगत के पावर कपल माने जाते हैं। देश-दुनिया में दोनों की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है और जहां भी ये साथ नजर आते हैं, कैमरे खुद-ब-खुद उनकी ओर मुड़ जाते हैं। वहीं, सोमवार सुबह इस जोड़ी को एयरपोर्ट पर एक साथ देखा गया, जहां दोनों कैमरे के नजरों से बच न सके और उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लग गईं। विराट और अनुष्का दोनों सफेद रंग की एसयूवी से एयरपोर्ट पहुंचे और हमेशा की तरह सादगी भरे लेकिन स्टाइलिश अंदाज में नजर आए। इस दौरान विराट कोहली क्लीन और सेमी-फॉर्मल लुक में दिखे। उन्होंने बेज रंग की बटन-डाउन शर्ट पहनी, जिसे ब्लैक ट्राउजर में टक किया था। इसके साथ उन्होंने ब्लैक सनग्लासेस लगाए। करीने से सेट किए हुए बाल और सजी हुई दाढ़ी उनके लुक को और शार्प बनाते दिखे।

वहीं, अनुष्का शर्मा ने एयरपोर्ट लुक के लिए आइवरी और नीले रंग का पारंपरिक कॉटन आउटफिट पहना। उनके लॉन्ग व्हाइट कुर्ता पर ब्लू कलर की फ्लोरल थ्रेड एम्ब्रॉयडरी की गई थी। कुर्ते में फुल स्लीव्स, रिलैक्स्ड फिट, स्प्लिट राउंड नेकलाइन और साइड स्लिट्स थे, जो इसे आरामदायक और स्टाइलिश बनाते दिखे। इसके साथ एक्ट्रेस मैचिंग व्हाइट पैंट पहनी, जिस पर डार्क ब्लू फ्लोरल वर्क था। उन्होंने कॉटन सिल्क का हल्का दुपट्टा कैरी किया, जिस पर भी हल्का फूलों का काम किया गया था। अनुष्का ने अपने लुक को मोतियों के चोकर नेकलेस, सनग्लासेस, एक स्टाइलिश घड़ी, अंगूठियों और व्हाइट कोल्हापुरी फ्लैट्स से पूरा किया। हेयरस्टाइल की बात करें तो उन्होंने सेंटर-पार्टेड खुले बाल रखे। मेकअप बेहद हल्का और नैचुरल था, साथ ही उन्होंने छोटी सी बिंदी भी लगाई थी। एयरपोर्ट से सामने आई इन तस्वीरों में दोनों का व्हाइट ट्विनिंग लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और लोग इस जोड़ी की सादगी और स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

रोहित शेट्टी से जुड़े फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच के हाथ लगी कामयाबी, हरियाणा से गिरफ्तार किए शूटर

मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी से जुड़े फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस मामले में शामिल चार शूटरों समेत कुल छह आरोपियों को हरियाणा से गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर मुंबई लाया जा रहा है, जहां उनसे विस्तार से पूछताछ की जाएगी। गिरफ्तार किए

गए आरोपियों में रितिक यादव, दीपक, सनी और सोनू के नाम सामने आए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये चारों फायरिंग की घटना में सीधे तौर पर शामिल थे। इनके अलावा दो अन्य आरोपियों को भी हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि रितिक यादव आगरा जिले के बहाबीजौली गांव का रहने वाला है। दीपक नोएडा के सेक्टर-45 स्थित सादरपुर इलाके का निवासी है, जबकि सनी और सोनू भी आगरा के बहाबीजौली गांव से जुड़े हैं। जांच में सामने आया है कि दीपक शर्मा इस पूरी वारदात का मुख्य शूटर था। घटना के बाद वह हरियाणा के बहादुरगढ़ इलाके में छिपा हुआ था। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच को आरोपियों के हरियाणा में छिपे होने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद एक टीम ने वहां छापेमारी कर सभी को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस इनसे पूछताछ कर यह जानने की कोशिश करेगी कि इस साजिश के पीछे कौन लोग शामिल हैं और इसका मकसद क्या था। जांच के दौरान पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। जानकारी के मुताबिक, जुहू स्थित रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग कोई अकेली घटना नहीं थी, बल्कि इसके पीछे एक संगठित साजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस को पता चला है कि फायरिंग करने वाला शूटर अकेला नहीं था। उसके साथ एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था, जो इलाके पर नजर रखे हुए था। वारदात के तुरंत बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। जांच में यह भी सामने आया कि फायरिंग के बाद आरोपी पहले विले पार्ले स्टेशन पहुंचे थे और वहां से ट्रेन पकड़ने की कोशिश की थी। जब उन्हें वहां से ट्रेन नहीं मिली तो उन्होंने निजी वाहन का सहारा लिया और सीधे कल्याण रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां से दोनों ने एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ी और महाराष्ट्र से बाहर निकल गए। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या इस मामले में किसी बड़े गैंग या आपराधिक संगठन का हाथ है।

लोगों ने कहा 2 बच्चों की मां हो ब्यूटी कॉन्टेस्ट में मत जाओ, जीतकर तोड़ी समाज की पुरानी सोच

जब कोई महिला, खासकर दो बच्चों की मां, ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने का फैसला करती है, तो समाज में सवाल उठना आम बात है। लेकिन राजस्थान के कोटा शहर की मोनिका मीणा ने अपनी जीत से लोगों की सोच पूरी तरह बदल दी। बचपन से अलग सोच मोनिका मीणा का जन्म और पालन-पोषण कोटा में हुआ। बचपन से ही उनकी सोच बाकी लोगों से अलग थी। वे जितनी खूबसूरत हैं, उतनी ही बुद्धिमान भी हैं। उन्होंने कानून की पढ़ाई की, शादी की और दो बच्चों की मां बनीं। इसके बावजूद उन्होंने ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने का फैसला किया और सबको चौंका दिया। मोनिका बताती हैं, ह्यमुझे कोटा के बारे में गलत बातें सुनकर बहुत दुख होता है। यह शहर मेडिकल और इंजीनियरिंग का हब रहा है और देश को कई डॉक्टर और इंजीनियर दिए हैं। बावजूद इसके, इस शहर को बदनाम किया गया। कई बार सुना जाता है कि कोटा में छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं का कारण शहर है, जबकि असल कारण माता-पिता और समाज का दबाव है। पेरेंट्स को अपने बच्चों पर अनावश्यक उम्मीदें थोपना बंद करना चाहिए।2018 में मोनिका ने सोशल मीडिया पर मिसेज इंडिया वर्ल्ड वाइडह्ल ब्यूटी पेजेंट का विज्ञापन देखा। उन्होंने तुरंत ऑडिशन देने का फैसला किया और उनका चयन भी हो गया। लेकिन इस फैसले से कई रिश्तेदार खुश नहीं थे। उनका कहना था कि दो बच्चों की मां के लिए ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेना जरूरी नहीं है। उन्हें चिंता थी कि इससे परिवार और बच्चों पर ध्यान नहीं जाएगा। किसी ने यह नहीं सोचा कि जीतने पर यह देश और परिवार के लिए गर्व की बात होगी। मोनिका ने हिम्मत दिखाई और ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया। पहले उन्होंने ग्रीस और यूरोप में सेमीफाइनल जीता, फिर दिल्ली में फाइनल राउंड में हिस्सा लेकर ह्यमिसेज इंडिया वर्ल्ड वाइडह्ल का खिताब अपने नाम किया। उनकी जीत के बाद लोगों की सोच बदल गई। अब सब समझ गए कि परिवार और बच्चों की जिम्मेदारी निभाते हुए भी बड़े काम किए जा सकते हैं।

कालीचरण महाविद्यालय में आयोजित हुई समीक्षा बैठक

लखनऊ। कालीचरण महाविद्यालय की समीक्षा बैठक प्रबंधक इं० वी० के० मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में प्रबंधक श्री मिश्र ने प्रमुख रूप से महाविद्यालय को नैक सें दुबारा प्रत्यायन एवं मूल्यांकन के साथ एनआईआरएफ तथा अन्य रैंकिंग संस्थाओं के मानकों के अनुरूप महाविद्यालय को बेहतर ढंग से तैयार रहने का निर्देश दिया। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि जैसे ही नैक के नये दिशा निर्देश सामने आते हैं महाविद्यालय सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर अपना प्रत्यायन करायेगा। दूसरे प्रमुख बिंदु के तौर पर उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति को लेकर स्पष्ट किया कि जो विद्यार्थी यूजीसी के मानकों के अनुरूप 75 प्रतिशत से कम विद्यालय में आते हैं, उन्हें परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा। महाविद्यालय अपना वार्षिकोत्सव आगामी दिनांक 25 फरवरी को आयोजित करने जा रहा हैं। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधान परिषद सदस्य तथा सभापति विशेषाधिकार समिति गोविन्द नारायण शुक्ला होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो० जेपी सैनी करेंगे। प्रबंधक श्री मिश्र ने इस कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने हेतु प्राध्यापकों को विशेष प्रयास करने हेतु निर्देशित किया।

किम जोंग के परिवार में सत्ता का टकराव 13 साल की बेटी बन सकती हैं नई उत्तराधिकारी

प्योंगयांग (उत्तर कोरिया)। उत्तर कोरिया में किम जोंग उन की 13 साल की बेटी किम जू ऐ को उत्तराधिकारी बनाए जाने की संभावना है, जबकि शक्तिशाली चाची किम यो जोंग सत्ता संभावना है। अभी किम जू ऐ की उम्र करीब 13 साल है और कयास लगाए जा रहे है कि 14 साल होते ही किम जोंग उन की ओर से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया जा

सकता है। इस कदम से उनके और किम जोंग उन की शक्तिशाली बहन किम यो जोंग के बीच भविष्य में सत्ता की टक्कर हो सकती है। फिलहाल वह कोरिया की वर्कर्स पार्टी की सेंट्रल कमेटी में सीनियर पद पर हैं। दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस (ठक्र) ने सांसदों को बताया कि किम जू ऐ जल्द ही औपचारिक रूप से उत्तराधिकारी घोषित हो सकती हैं। यह निर्णय उत्तर कोरिया के आगामी वर्कर्स पार्टी कांग्रेस से पहले अहम माना जा रहा है, जहां किम जोंग उन अपनी नई राजनीतिक रणनीतियां तय करेंगे और सत्ता पर पकड़ मजबूत करेंगे। किम जू ऐ ने पहली बार सार्वजनिक रूप से नवंबर 2022 में लंबी दूरी के मिसाइल परीक्षण के दौरान दिखाई दी थी। तब से वह अपने पिता के साथ कई कार्यक्रमों में नजर आ रही हैं, जिनमें हथियार परीक्षण, सैन्य परेड और कारखानों के दौरे शामिल हैं। पिछले साल सितंबर में उन्होंने चीन की यात्रा के दौरान किम जोंग उन के साथ बीजिंग में भी मौजूद रही। सत्ता की चुनौती किम जू ऐ की उत्तराधिकारिता के रास्ते में सबसे बड़ी चुनौती उनकी चाची किम यो जोंग हो सकती हैं। 38 वर्षीय किम यो जोंग को उत्तर कोरिया में दूसरी सबसे शक्तिशाली शख्सियत माना जाता है और उनके पास मजबूत राजनीतिक और सैन्य समर्थन मौजूद है। पूर्व दक्षिण कोरियाई खुफिया अधिकारी राह जोंग यिल ने चेतावनी दी है कि किम यो जोंग किसी भी समय शीर्ष पद के लिए कदम उठा सकती हैं। उन्होंने कहा यदि उन्हें मौका मिले, तो वे अपनी राजनीतिक परियोजना को लागू करने से पीछे नहीं हटेंगी। उनके पास रुकने का कोई कारण नहीं है। किम यो जोंग अपनी कटु टिप्पणियों के लिए भी जानी जाती हैं। 2022 में उन्होंने दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री पर तीखी टिप्पणी की और चेतावनी दी कि अत्यंत विनाशकारी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उत्तर कोरिया का परिवार और पूर्व विवाद उत्तर कोरिया के सत्ता इतिहास में पारिवारिक संघर्ष और क्रूर निष्पादन आम रहे हैं। 2011 में सत्ता संभालने के बाद किम जोंग उन ने अपने चाचा और संरक्षक जांग सोंग थाइक को निष्पादित कराया था। उनके सौतेले भाई किम जोंग नाम की हत्या 2017 में मलयेशिया के कुआलालंपुर एयरपोर्ट पर श नर्व एजेंट का प्रयोग करके की गई थी। परमाणु शक्ति और वैश्विक चिंता आज उत्तर कोरिया दुनिया के सबसे परमाणु शक्तिशाली देशों में गिना जाता है। जनवरी 2024 तक देश ने अनुमानित 50 परमाणु हथियार विकसित कर लिए हैं और 70-90 और बनाने की क्षमता रखता है। इसके अलावा देश के पास उन्नत रासायनिक और जैविक हथियार कार्यक्रम भी हैं। हाल के वर्षों में बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों की गति में तेजी आई है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किम जोंग उन अचानक अस्वस्थ या मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं, तो किम यो जोंग सबसे अधिक स्थापित और तुरंत प्रभावशाली उम्मीदवार होंगी। जबकि किम जू ऐ और उनके भाई-बहन अभी बहुत युवा और राजनीतिक रूप से स्थापित नहीं हैं।

पहाड़ खोदकर चीन ने बना डाले परमाणु ठिकाने, सैटेलाइट तस्वीरों से बड़ा खुलासा

बीजिंग। दुनिया मौजूदा वक्त में बेहद मुश्किल और तनाव भरे माहौल से गुजर रही है। कई देश जंग से जूझ रहे हैं। अमेरिका एक तरह अपना दबदबा दिखा रहा है तो दूसरी तरफ चीन भी गुप्त रूप से अपनी शक्ति बढ़ाने में लगा हुआ है, जिसका खुलासा सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ है। अमेरिका ने कई बार यह दावा किया कि चीन ने गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण किया है। हालांकि चीन ने इस तरह के दावों को नकारा और अमेरिका के आरोप को निराधार और सरासर झूठ बताया, लेकिन इन सब आरोप-प्रत्यारोप के बीच ड्रैगन की सीक्रेट चाल का खुलासा हो गया है। जिसके बाद भारत की टेंशन बढ़ सकती है। चीन की नई चाल का सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार चीन अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को तेजी से बढ़ा रहा है। बीजिंग दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत में पहाड़ों के अंदर गुप्त रूप से परमाणु हथियारों से जुड़ी सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में रविवार को बताया कि 2022 और 2026 के बीच ली गई उपग्रह तस्वीरों के भू-स्थानिक विश्लेषण से दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में गुप्त परमाणु हथियार सुविधाओं के

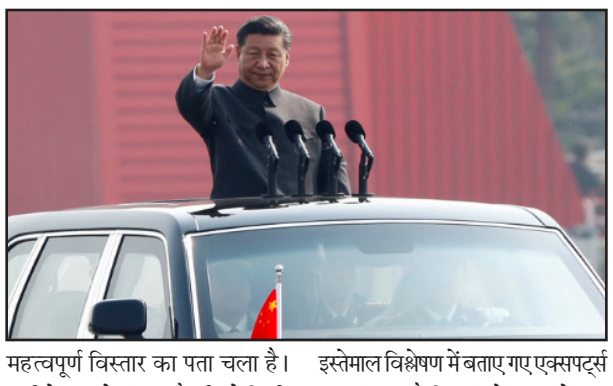

महत्वपूर्ण विस्तार का पता चला है। घाटी में नए बने बंकर और दीवारें दिखी भू-स्थानिक खुफिया विशेषज्ञ रेनी बाबियारज द्वारा साझा किए गए निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि 2019 से चीन के परमाणु निर्माण में तेजी आई है, जो देश की रणनीतिक क्षमताओं में एक अहम मोड़ है। सिचुआन में जिटोंग नाम की एक साइट पर इमेज से घाटी में नए बने बंकर और दीवारें दिखती हैं। उस जगह पर एक नए बने कॉम्प्लेक्स में बड़ा पाइपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसके बारे में एनालिस्ट्स का कहना है कि यह उन सुविधाओं से मेल खाता है, जो खतरनाक मटीरियल को हैंडल करती हैं। इसलिए किया जा रहा बंकरों का इस्तेमाल विश्लेषण में बताए गए एक्सपर्ट्स का अंदाजा है कि बंकरों का इस्तेमाल शायद उच्च-विस्फोटक परीक्षण करने के लिए किया जा रहा है। यह एक प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल केमिकल डेटोनेटर को रिफाइन करने के लिए किया जाता है, जो एक वॉरहेड में न्यूक्लियर मटीरियल को कंप्रेस करते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन लगातार अपनी रणनीतिक स्थिति को मजबूर करने में जुटा है।

तारिक रहमान के भव्य शपथ ग्रहण की तैयारी: भारत से ओम बिरला जाएंगे, दुनियाभर से जुटेंगे 1200 मेहमान

बांग्लादेश । बांग्लादेश में 13वां संसदीय चुनाव के नतीजे आ गए हैं। इस चुनाव में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी को जीत मिली है। मंगलवार को वे प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। ऐसे में बांग्लादेश इस कार्यक्रम को भव्य

बनाने की कोशिश में हैं। आइए जानतें हैं कि इस समारोह में कौन-कौन शमिल होगा। बांग्लादेश आम चुनाव में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) को जीत मिली है। उनके शपथ समारोह में बांग्लादेश और विदेश से लगभग 1,200 गणमान्य व्यक्तियों समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। उनका समारोह मंगलवार को शाम 4:00 बजे ढाका में राष्ट्रीय संसद भवन के दक्षिण प्लाजा में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के उपस्थित रहने की संभावना है। इनमें भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, भारतीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसान इकबाल शामिल हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल होंगे ब्रिटेन की इंडो-पैसिफिक उप सचिव सीमा मल्होत्रा के भी इस समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के भी समारोह में भाग लेने की संभावना है। इन सभी राजनयिक को निमंत्रण भेजे जा चुके हैं। हालांकि आमंत्रित देशों में से कुछ से अभी भी पुष्टि की प्रतीक्षा है। रविवार को भारत के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता को रेखांकित करती है विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ₹इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष की भागीदारी भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच गहरी और स्थायी मित्रता को रेखांकित करती है। हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।₹ आगे कहा गया है, ₹एक साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान से एकजुट पड़ोसी होने के नाते, भारत तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश की निर्वाचित सरकार में परिवर्तन का स्वागत करता है, जिनकी दृष्टि और मूल्यों को जनता का भारी जनादेश प्राप्त हुआ है। यह समारोह बांग्लादेश के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षण साबित होने की उम्मीद है, क्योंकि बीएनपी की निर्णायक जीत के बाद देश नव निर्वाचित प्रशासन की ओर अग्रसर हो रहा है। 13वां संसदीय चुनाव गुरुवार को संपन्न हुआ और चुनाव आयोग ने शुक्रवार रात को विजयी उम्मीदवारों की आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना प्रकाशित की।

इमरान खान के इलाज को लेकर चिंता बढ़ी, बहन अलीमा खान का आरोप- परिवार के डॉक्टर को मिलने से रोका गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने जेल में उनके इलाज और बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि परिवार के डॉक्टर को मिलने तक की अनुमति नहीं मिली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की बहन अलीमा खान ने जेल में उनके इलाज और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अलीमा खानम ने कहा कि परिवार के डॉक्टर को इमरान खान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे उनकी नाराजगी और बढ़ गई है। अलीमा ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट में लिखा 'हमारी मांग शुरू से स्पष्ट रही है: इमरान खान का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उनके निजी डॉक्टर डॉ. असिम यूसुफ की मौजूदगी में होना चाहिए, साथ ही परिवार का एक सदस्य भी मौजूद हो।' उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने हमारे डॉक्टरों द्वारा सुझाए गए विशेषज्ञों को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद हमें अन्य नाम सुझाने के लिए कहा गया। हमने अपनी बहन उजमा

खान का नाम दिया, लेकिन हमें बताया गया कि इमरान खान की बहनें उपस्थित नहीं हो सकतीं। इसके बाद हमने अपने चचेरे भाई नौशेरवान बुर्की का नाम दिया, लेकिन उसे भी अस्वीकार कर दिया गया। इमरान खान की आंखों की रोशनी 15 फीसदी बची अलीमा खान ने सवाल उठाया कि यह अस्वीकार्य है! हमारी चिंता बढ़ रही है कि हमारे परिवार के सदस्य को क्यों नहीं होने दिया जा रहा? क्या दोनों नाम इसलिए अस्वीकृत किए जा रहे हैं क्योंकि वे अत्यधिक योग्य डॉक्टर हैं? पिछले रविवार को रावलपिंडी के अडियाला जेल में एक चिकित्सा टीम ने इमरान खान की आंखों की जांच की, जो लगभग एक घंटे तक चली। यह जांच सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद की गई, जो इमरान के 12 फरवरी के दावे के बाद हुई कि उनकी दाहिनी आंख में केवल 15% दृष्टि बची है। मेडिकल बोर्ड गठन और बच्चों से मिलने की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने एक मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया और उनके बच्चों से मिलने की अनुमति 16 फरवरी से पहले देने को कहा था। हालांकि, सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को संकेत दिए कि इमरान को अस्पताल स्थानांतरित किया जाएगा, लेकिन रविवार दोपहर तक कोई ट्रांसफर नहीं हुआ। इमरान की बहन नूरीन नियाजी ने एक्स पर पोस्ट किया कि जेल में एम्बुलेंस आई थी, लेकिन उन्होंने कहा कि हम और खान साहिब के निजी डॉक्टरों को भरोसे में लिए बिना यह अस्वीकार्य है। जेल अधीक्षक ने ट्रांसफर की खबरों को अफवाह बताते हुए कहा कि इमरान केवल जांच के लिए हैं। उन्होंने बताया कि मेडिकल टीम उनकी आंखों की जांच करेगी, विभिन्न टेस्ट करेगी और तय करेगी कि उन्हें अस्पताल स्थानांतरित किया जाए या जेल में ही इलाज जारी रखा जा सके।

टूडो की वजह से रिश्तों में आई खटास खत्म? भारत-कनाडा के विदेश मंत्री पांच महीने में 5वीं बार मिले

कनाडा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद की मुलाकात की। सितंबर 2025 के बाद यह उनकी पांचवीं बैठक थी। दोनों देशों ने व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और जॉइंट रोड मैप पर प्रगति पर जोर दिया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात की। यह मुलाकात जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान हुई। सितंबर 2025 के बाद से यह उनकी पांचवीं मुलाकात थी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति पर जोर दिया। व्यापार समेत कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की कनाडा सरकार ने एक आधिकारिक प्रेस रिलीज में कहा, ह्लविदेश मंत्री अनीता आनंद ने जर्मनी में म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के मौके पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर से मुलाकात की। यह सितंबर 2025 के बाद से मंत्रियों के बीच यह पांचवीं मीटिंग है, जो कनाडा-भारत के संबंध में बढ़ती रफ्तार को दिखाती है। 75 साल से ज्यादा पुराने राजनयिक संबंधों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर बनी है। मंत्रियों ने एनर्जी, तकनीक और व्यापार समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने पर चर्चा की।ह्व भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका पर जोर देते हुए कनाडाई सरकार ने प्रेस रिलीज में कहा, ह्लमंत्री आनंद ने दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के नाते कनाडा के लिए एक साझेदार के तौर पर भारत की अहमियत पर ध्यान दिया।ह्व दोनों नेताओं ने दोनों देशों के व्यापार, उद्योग और श्रमिक के लिए साझा तकनीकी फायदों और साझेदारी के बड़े मौकों की पुष्टि की। जॉइंट रोड मैप पर हुई ठोस प्रगति पर भी जोर दिया दोनों पक्षों ने अक्टूबर 2025 में घोषित कनाडा-भारत संबंधों के लिए जॉइंट रोड मैप पर हुई ठोस प्रगति पर भी जोर दिया। इसके साथ ही रोड मैप की प्राथमिकताओं को लागू करके संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ आर्थिक मजबूती और स्थिरता के लिए कनाडा-भारत व्यापार को बढ़ाने और उसमें विविधता लाने के लिए अपना वादा दोहराया। कनाडा के विदेश मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, ह्लविदेश मंत्री आनंद अपने भारतीय समकक्ष डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर को #एमएससी2026 में कनाडा-भारत संबंध और उनकी साझा रुचियों को आगे बढ़ाने के लिए आगे के काम पर चर्चा करने के लिए देखकर खुश हुईं।ह्व वहीं एस. जयशंकर ने भी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ह्लकनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बैठकर बातचीत करके बहुत अच्छा लगा। भारत-कनाडा के संबंध लगातार आगे बढ़ रहे हैं।ह्व यह उच्च स्तरीय बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब उम्मीद है कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी मार्च के पहले हफ्ते में भारत का दौरा करेंगे। कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर, दिनेश पटनायक ने संकेत दिया है कि पीएम कार्नी इस यात्रा के दौरान यूरेनियम, एनर्जी, जरूरी मिनरल्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। 2023 में भारत-कनाडा संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे 2023 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में संभावित भारतीय संलिप्तता के आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंध बेहद निचले स्तर पर पहुंच गए थे। भारत ने ट्रूडो के आरोप को बेतुका बताकर खारिज कर दिया था। अक्टूबर 2024 में, ओटावा द्वारा निज्जर मामले से जोड़ने के प्रयास के बाद भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया। भारत ने कनाडा के उतने ही राजनयिकों को निष्कासित भी किया। हालांकि, पिछले साल अप्रैल में हुए संसदीय चुनाव में लिबरल पार्टी के नेता कार्नी की जीत ने संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू करने में मदद की। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की राजधानियों में अपने उच्चायुक्तों की तैनाती कर दी है।

बॉन्डी बीच पर आतंकी हमला करने वाला आरोपी कोर्ट में हुआ पेश

ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच पर 14 दिसंबर को यहूदी समुदाय पर हुए आतंकी हमले के आरोपी नवीद अकरम को दो महीने बाद कोर्ट में वीडियो लिंक के जरिए पेश किया गया। यह 30 वर्षों में देश की सबसे घातक मास शूटिंग के बाद उसकी पहली सार्वजनिक सुनवाई थी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी के बॉन्डी बीच पर दो महीने पहले 14 दिसंबर को यहूदी लोगों पर हमला हुआ था। हमलावार आतंकी नवीद अकरम को सोमवार कोर्ट में पेश किया गया। अकरम वीडियो लिंक के जरिए ऑस्ट्रेलिया की सुपरमैक्स कोर्ट में पेश हुआ। देश में लगभग तीन दशकों में हुई सबसे बड़ी मास शूटिंग के बाद यह उसकी पहली सार्वजनिक सुनवाई थी। कुल 59 आरोप लगे हैं समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पुलिस ने 24 साल के नवीद पर कुल 59 आरोप लगाए हैं जिनमें 15 हत्याएं, 40 लोगों को घायल करने के इरादे से हमला और एक आतंकी कृत्य शामिल है।अकरम और उसके पिता साजिद पर आरोप है कि दोनों ने दिसंबर में हनुक्का समारोह के दौरान हमला किया था। हमले के दौरान पुलिस की गोली लगने से पिता मारा गया था। अदालत के बयान और स्थानीय मीडिया के मुताबिक, वह जेल से वीडियो लिंक के जरिए कोर्ट में लगभग पांच मिनट के लिए पेश हुआ। कोर्ट ने कहा कि सबूतों की टाइमलाइन पर भी चर्चा हुई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि सोमवार को सुनवाई के दौरान अकरम ज्यादातर चुप रहा। इसके साथ ही उसने तभी बोला जब पीठासीन न्यायाधीश ने उससे सीधे बात की। उसके वकील बेन आर्चबोल्ड ने बाद में कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि उसका मुवक्किल कौन सी दलील देगा। साजिश छिपाने के लिए बहुत ज्यादा ऐहतियात रखा यह केस की अगली सुनवाई अप्रैल में होगी। इस बीच, इस महीने की शुरूआत में, ऑस्ट्रेलियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस ऑर्गनाइजेशन (एएसआईओ) के सुरक्षा महानिदेशक माइक बर्गेस ने सीनेट में कहा कि हमलावरों ने योजनाबद्ध तरीके से पूरी वारदात को अंजाम दिया। पूरे कृत्य को छिपाने के लिए बहुत ऐहतियात बरता। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि कथित आतंकवादियों ने अपनी साजिश छिपाने के लिए बहुत ज्यादा ऐहतियात रखा।

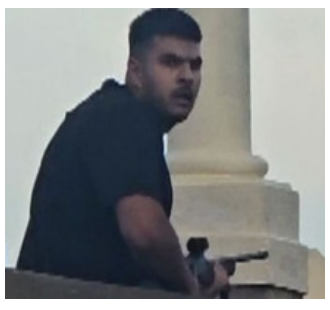

कार्यकाल के अंतिम दिन यूनुस ने ली विदाई कल होना है शपथ ग्रहण समारोह

ढाका। बांग्लादेश में लंबे राजनीतिक खींचतान के बाद अब नई सरकार का रास्ता साफ हो गया है। ऐसे में अंतरिम मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन कर्मचारियों से विदाई ली। 13वें चुनाव में भारी जीत के बाद तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद संभालने जा रहे हैं। इसके लिए वो कल शपथ ग्रहण करेंगे। बांग्लादेश की राजनीति में लंबे समय से चले आ रहे रस्साकशी, संघर्ष और सियासत के बाद कल यानी मंगलवार को नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह होने जा रहा है। इससे एक दिन पहले यानी सोमवार को अपने कार्यकाल के आखिरी दिन अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अपने कार्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से विदाई ली। इस दौरान यूनुस ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात की और उनके सहयोग के लिए धन्यवाद कहा। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार अपने भाषण के बाद यूनुस ने कार्यालय के कर्मचारियों के साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। बता दें कि कल होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के बाद अब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान नई सरकार का नेतृत्व संभालेंगे।

बुडापेस्ट में रुबियो-ऑर्बन की मुलाकात, अमेरिका-हंगरी नागरिक परमाणु समझौते पर बनी सहमति

बुडापेस्ट। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बुडापेस्ट में प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन से मुलाकात की। अमेरिका और हंगरी के बीच नागरिक परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर की तैयारी है। डोनाल्ड ट्रंप ने ऑर्बन का खुला समर्थन किया है, जिससे चुनावी माहौल गरमा गया है। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन के बीच अहम बैठक हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर की तैयारी की गई। इस समझौते को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही समर्थन दिया है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब हंगरी में 12 अप्रैल को आम चुनाव होने वाले हैं और ऑर्बन की पार्टी फिदेस को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2010 में सत्ता में वापसी के बाद से यह चुनाव उनके लिए सबसे कठिन माना जा रहा है। ऊर्जा और रणनीतिक साझेदारी पर फोकस रुबियो इससे पहले स्लोवाकिया के दौरे पर थे और उससे पहले उन्होंने जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया था। मध्य यूरोप के इन देशों के साथ ऊर्जा समझौतों को मजबूत करना अमेरिकी कूटनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।